दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 212 | ग्वालियर मंगलवार, 23 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

तेलंगाना में कांग्रेस का कर्नाटक वाला फॉर्मूला, के खिलाफ भी बनाई रणनीति

र्नाटक में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद कांग्रेस ने सरकार बना ली है. कर्नाटक की जीत के साथ ही कांग्रेस ने तेलंगाना राज्य में आगामी चुनावों में जीत के लिए तैयारियां करना शुरू कर दिया है. तेलंगाना में दिसंबर में चुनाव होने हैं. राज्य में सरकार बनाने के लिए सोमवार 22 मई को कांग्रेस ने बैठक बुलाई.तेलंगाना में सोमवार (23 मई) को राज्य के शीर्ष नेता, सहित राज्य कार्यसमिति के सदस्य, जिला इकाई के अध्यक्ष और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य विशेष रूप से कर्नाटक में पार्टी की जीत के बाद तेलंगाना में अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा करने के लिए बैठक में शामिल हुए. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तेलंगाना प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने इस बैठक का नेतृत्व किया.पार्टी सूत्रों की मानें तो आरसी पांच सूत्री रणनीति तैयार की गई जिसकी मदद से सत्ताधारी बीआरएस सरकार को चुनावों में मात दी जा सके. प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने बताया कि उनकी पार्टी का मुख्य निशाना मुख्यमंत्री केसीआर की अपने वादों को पूरा करने में विफलता और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दा होगा. इसके साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी विशेष रूप से कर्नाटक में पार्टी की जीत के बाद तेलंगाना में अपनाई जाने वाली रणनीति में बीजेपी पर भी खास प्लानिंग कर रही है. बैठक में कर्नाटक के लोगों को बधाई देते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया. साथ ही तेलंगाना में भी कांग्रेस की सरकार की स्थापना का संकल्प लिया गया.पार्टी ने चुनाव के लिए कुछ मिशन भी तैयार किए हैं.

खाट पर सो रहे शख्स के पास पहुंचा तेंदुआ

नई दिल्ली। क्या आपने कभी किसी तेंदुए को चुपके से अपने शिकार की ओर बढ़ते और सामने से उस पर हमला करते देखा है। अगर आपने नहीं देखा है, तो आपको भारतीय वन सेवा अधिकारी परवीन कस्वां द्वारा साझा किए गए इस वीडियो को अवश्य देखना चाहिए. वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे एक तेंदुआ हाईवे के पास सो रहे एक कुत्ते के पास पहुंचा और फिर उस पर झपट पड़ा. फिर मांसाहारी शिकार को मुंह में लेकर भाग गया, जहां कुत्ता लेटा था, उसके बगल में एक आदमी सो रहा था. वीडियो वाकई डराने वाला है. इस वीडियो को देखने बाद

आप भी हैरान हो जाएंगे. वीडियो में आप देख सकते हैं कि कई ट्रक एक साथ लाइन में खड़े हैं. यह राजमार्ग पर एक ट्रक स्टेशन या ड्राइवरों के लिए विश्राम स्थल भी हो सकता है. आप एक आदमी को बाहर खुले आसमान में बिछी खाट पर सोते हुए देख सकते हैं. उसके बगल में कुत्ता लेटा हुआ था जो उस समय सो रहा था जब तेंदुए ने उस पर हमला किया. तेंदुआ धीरे-धीरे कुत्ते के पास जाता है और फिर उस पर झपटता है. फिर यह कुत्ते को अपने साथ घसीट कर पास के जंगल में ले जाता है. कुत्ते की आवाज से अनजान व्यक्ति की नींद खुल जाती है. ये देख आदमी भी एकदम सहम जाता है. इस खबर को लिखे जाने तक वीडियो को 80 लाख लोगों ने देख लिया है. वही 13 सौ लोगों ने वीडियो को लाइक किया है. वीडियो पर ट्विटर यूजर्स के रिएक्शन सामने आ रहे हैं. वे चिंकारा को पसंद करेंगे. दुख की बात है कि वे निवास स्थान खो रहे हैं और कुत्तों को खाना पड़ रहा है.

स्टेशन पर बिना रुके निकल गई पैसेंजर ट्रेन, देखते रह गए यात्री, फिर हुआ कुछ ऐसा

केरल से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है. यहां ट्रेन में यात्रियों को बैठाने के लिए लगभग 700 मीटर रिवर्स ट्रेन चलानी पड़ी. यह घटना केरल के अलप्पुझा जिले में हुई जहां शोरनूर जाने वाली वेनाड एक्सप्रेस को जिस स्टेशन पर रूकना था वहां वो नहीं रुकी. जिसके बाद ट्रेन को आधा किलोमीटर से ज्यादा रास्ते पर रिवर्स चलाना पड़ा.जानकारी के मुताबिक वेनाड एक्सप्रेस का लोको पायलट चेरियानाड नामक एक छोटे से रेलवे स्टेशन पर रुकने से भूल गया. जब उसे याद आया कि स्टॉप छूट गया है तब उसने स्टेशन पर इंतजार कर रहे यात्रियों को लेने के लिए ट्रेन को 700 मीटर तक रिवर्स चलाया. यह घटना सुबह करीब 7.45 बजे चेरियानाड स्टेशन पर हुई. यह स्टेशन मावेलिक्कारा और चेंगन्नूर स्टेशनों के बीच स्थित एक छोटा सा पड़ाव है.रेलवे अधिकारियों ने बताया कि चेरियानाड रेलवे स्टेशन पर कोई सिग्नल नहीं लगा हुआ है.

2 हजार के नोट वापस लेने के फैसले से भारत की अर्थव्यवस्था को कितना बड़ा नुकसान होगा?

भारतीय रिजर्व बैंक ने बीते शुक्रवार यानी 19 मई को एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की. इसका मतलब है कि अब 2000 रुपये के नोट की छपाई भी नहीं होगी और कोई भी बैंक आपको यह नोट नहीं देगा. हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि यह नोट बंद हो गया है.आरबीआई ने ऐलान किया है कि 23 मई से लेकर 30 सितंबर तक 2 हजार रुपये के नोटों को खातों में जमा कराएं जा सकेंगे या बैंकों में जाकर बदले जा सकेंगे. आरबीआई के इस फैसले ने एक बार फिर से देश को साल 2016 में हुए नोटबंदी की याद दिला दी है. दरअसल बाजार में 2000 रुपये के नोट आने के 78 महीने बाद ही रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इसे चलन से बाहर करने का ऐलान कर दिया. आरबीआई के इस फैसले के बाद अब सवाल उठता है कि 2000 हजार के नोट को वापस लेने के फैसले से भारत की अर्थव्यवस्था को कितना बड़ा नुकसान पहुंच सकता है?1. रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में विश्लेषकों और अर्थशास्त्रियों ने कहा, %सरकार और केंद्रीय बैंक ने इस कदम को उठाने का सही कारण तो अब तक नहीं बताया है. लेकिन

आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले इस तरह का निर्णय लेना बुद्धिमानी भरा फैसला है, क्योंकि चुनाव के दौरान जनता को लुभाने और प्रचार में आमतौर पर नकदी का उपयोग बढ़ जाता है.2. वहीं एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स के समूह मुख्य अर्थशास्त्री रूपा रेगे नित्सुरे ने रॉयटर्स को बताया, 2,000 रुपये का नोट वापस लिए जाना बहुत बड़ी घटना नहीं है और इससे अर्थव्यवस्था या मौद्रिक नीति पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा. क्योंकि पिछले 6-7 सालों में देश में डिजिटल लेन-देन और ई-कॉमर्स का दायरा काफी बढ़ गया है.÷3. हालांकि क्वांटिको रिसर्च की एक अर्थशास्त्री युविका सिंघल ने मिंट को बताया को बताया कि इस फैसले का असर कृषि और निर्माण जैसे छोटे व्यवसायों पर पड़ सकता है. इसके अलावा वैसे क्षेत्र जहां आज भी डिजिटल ट्रांजेक्शन के मुकाबले ज्यादा लोग नकदी का इस्तेमाल करते हैं उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ सकता है.4. अर्थशास्त्र के प्रोफेसर वरुण सिंह ने एबीपी को बताया कि 2000 रुपये के वापस लेने के फैसले के बाद रियल एस्टेट और सोने जैसी महंगी चीज़ों की मांग बढ़ने लगेगी. लोग अपने 2000 के नोट को गहनों और जमीन में इन्वेस्ट करना चाहेंगे. इसके अलावा छोटे नोटों की मांग भी बढ़ जाएगी. ऐसा ही कुछ साल 2016 में हुई नोटबंदी के बाद भी देखा गया था. लोग ज्यादा से ज्यादा पैसा रियल स्टेट और सोने चांदी जैसी चीजों में लगाने लगे थे. द हिंदू अखबार के रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल भारत में 3.7 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के 2000 रुपये के नोट मौजूद हैं. अगर उसका एक तिहाई नोट भी बैंकों के पास वापस जाता है तो बाजार में नकदी बढ़कर 40 हज़ार करोड़ रुपये से लेकर 1.1 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच सकती है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने करीब हफ्तेभर के विदेश दौरे

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे पीएम मोदी, एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने करीब हफ्तेभर के विदेश दौरे के तहत सोमवार (22 मई) को पापुआ न्यू गिनी से ऑस्ट्रेलिया के सिडनी पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया. पीएम मोदी के सिडनी पहुंचने पर भारत के लिए ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओफारेल ने उनका स्वागत किया. पीएम मोदी के स्वागत में भारतीय समुदाय के लोगों ने भी हिस्सा लिया. इस मौके पर उन्होंने वंदे मातरम के नारे भी लगाए. जापान से शुरु हुई पीएम मोदी की तीन देशों की यात्रा का यह तीसरा और आखिरी पड़ाव है. पापुआ न्यू गिनी में पीएम मोदी ने पहले हिंद-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी की और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रशांत द्वीप देशों के नेताओं से मुलाकात की. प्रधानमंत्री मोदी 22 से 24 मई तक ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर रहेंगे.ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी अपने समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे. इसके अलावा वह व्यापारिक बैठकों और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे. विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने जानकारी दी कि पीएम मोदी ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय बैठक के अलावा गवर्नर जनरल डेविड हर्ले से भी मुलाकात करेंगे. वह प्रमुख सीईओ से भी मिलेंगे और भारतीय

समुदाय को संबोधित करेंगे. अल्बनीज पीएम मोदी के लिए रात्रि भोज की मेजबानी करेंगे.रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार (23 मई) को भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे सिडनी के ओलंपिक पार्क के कुडोस बैंक एरिना में पीएम मोदी के लिए सामुदायिक स्वागत समारोह रखा गया है. कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 25 हजार से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है. इंडियन ऑस्ट्रेलियन डायस्पोरा फाउंडेशन पीएम मोदी के लिए सामुदायिक स्वागत समारोह की मेजबानी कर रहा है. कार्यक्रम के आयोजकों में पीएम मोदी के बचपन के दोस्त अब्बास भी शामिल हैं. पीएम मोदी उनसे भी मुलाकात करेंगे.ऑस्ट्रेलिया पहुंचने से पहले पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मैं (पापुआ न्यू गिनी के) प्रधानमंत्री जेम्स मारापे का गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए शुक्रिया अदा करता हूं. सिडनी में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए अब ऑस्ट्रेलिया जा रहा हूं.'उन्होंने कहा, ''मेरी पापुआ न्यू गिनी की यात्रा ऐतिहासिक रही. मैं इस अद्भुत राष्ट्र के लोगों से मिले स्नेह को बहुत संजो कर रखूंगा. मुझे एफआईपीआईसी के सम्मानित नेताओं के साथ बातचीत करने और उनके संबंधित देशों के साथ रिश्तों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा करने का भी अवसर मिला

यूपी में गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने नहर में लगाई छलांग

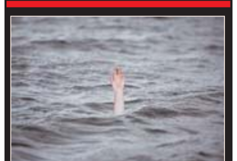

शामली (उप्र)। उत्तर प्रदेश के शामली में 18 वर्षीय आरोपी मल्ही गांव में गंगनहर में छलांग लगाकर पुलिस हिरासत से फरार होने में कामयाब हो गया। वह अपने बड़े भाई की हत्या का आरोपी है। पुलिस आरोपी मोहम्मद शोएब को उसके भाई का शव बरामद करने के लिए नहर पर ले गई थी। उसने पुलिस को बताया था कि उसने शव को नहर में फेंका था। जैसे ही पुलिस आरोपी को लेकर नहर पर पहुंची, आरोपी पानी में कूद गया और गायब हो गया।

केरल में खेत में लावारिस हालत में मिला नवजात शिशु

तिरुवनंतपुरम। केरल के पठानमथिट्टा जिले में टैपिओका के खेत में गुरुवार को एक नवजात शिशु लावारिस हालत में मिला। कवियूर के पास रहने वाले मनोज और उसके परिवार को आज सुबह बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज टैपिओका के खेत से आ रही थी।

मनोज खेत में गया। मनोज ने कहा, मैंने बच्चे को उठाया और स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचित किया। नवजात शिशु को कोई छोड़ गया था। बच्चा एक या दो दिन का लग रहा था। जल्द ही पुलिस पहुंची और बच्चे को स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल, बच्चे की देखभाल बाल कल्याण समिति कर रही है। इस बीच, स्थानीय पुलिस ने नवजात के माता-पिता का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

भाई डीके शिवकुमार को सीएम पद न मिलने से दुखी हैं डीके सुरेश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेतृत्व ने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के लिए सिद्धारमैया के नाम का ऐलान कर दिया है. जबकि डीके शिवकुमार को राज्य का उप मुख्यमंत्री बनाया जाएगा. हालांकि डीके शिवकुमार बाद तक मुख्यमंत्री पद की मांग पर अड़े रहे, लेकिन सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई बात के बाद उनको सरेंडर करना पड़ा. हालांकि कांग्रेस आलाकमान की ओर से उनको डिप्टी सीएम और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का ऑफर दिया गया है. वहीं, डीके शिवकुमार पार्टी आलाकमान के इस फैसले से कितने खुश हैं. डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश ने खुद इस बात का खुलासा किया है. कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के घोषणा पर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के भाई और कांग्रेस नेता डी.के. सुरेश, दिल्ली ने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि मैं पूरी तरह से खुश हूं। मगर कर्नाटक के हित के लिए पार्टी और डी.के. शिवकुमार और सभी को ये स्वीकार करना होगा. उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोगों से हमने जो वादे किए हैं, उनको पूरा करना है. आगे जो होगा देखा जाएगा. सिद्धारमैया को मेरी शुभकामनाएं हैं. आपको बता दें कि डीके शिवकुमार कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और पार्टी ने उनके अध्यक्ष रहते ही चुनाव में भारी जीत हासिल की है.

अगर आपने गलत रास्ता चुन लिया तो, लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बोले सैम पित्रोदा

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को भारत के लिए मील का पत्थर करार दिया है. उन्होंने कहा है कि 2024 में अगर 'गलत रास्ता' चुन लिया गया तो यह देश के लिए भयावह होगा.उन्होंने यह भी कहा कि अगले 12 महीनों तक भारतीय-अमेरिकी लोगों को मेहनत करनी होगी और बोलने का साहस दिखाना होगा. दरअसल, कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के उपलक्ष्य में शिकागो में इस सप्ताह जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए भारतीय-अमेरिकी लोगों के एक समूह को सैम पित्रोदा ने संबोधित किया.सैम पित्रोदा ने कहा, ''मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमें लंबा सफर तय करना है. कम से कम अगले 12 महीनों तक खाली मत बैठिए. आपको कड़ी मेहनत करनी है. आपको अगले आम चुनाव के बारे में हर छोटी बात के बारे में चिंता करनी है क्योंकि यह चुनाव भारत के लिए मील का पत्थर साबित होने जा रहा है.'पित्रोदा ने कहा, ''अगले चुनाव में चुनने के लिए दो रास्ते हैं. अगर आपने गलत रास्ता चुन लिया है तो आप खत्म हैं. मेरा मानना है कि अगर ऐसा हो गया तो देश झुलस जाएगा. मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए, लेकिन मैं डरा हुआ हूं.

कांग्रेस तवज्जो नहीं दे रही, नीतीश पीछे भाग रहे, मोदी विरोधी मोर्चा के लिए केजरीवाल इतने ज़रूरी क्यों?

लोकसभा चुनाव में 10 महीने से भी कम समय बचा हुआ है. यही कारण है कि अब सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने हिसाब से रणनीति बनाने में जुट गई है. एक तरफ जहां बीजेपी अलग-अलग राज्यों में सियासी समीकरणों को साधने में जुटी हुई है तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के साथ अन्य विपक्षी दल भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तोड़ निकालने के लिए रणनीति बनाने में लग गई है.बिहार के मुखिया नीतीश कुमार मजबूत विपक्षी गठबंधन बनाने का एक भी मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं. वह लगातार विपक्षी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं. कर्नाटक में कांग्रेस की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कल यानी 21 मई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके आवास पहुंचे थ

40 साल बाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

आगरा। आठ साल के एक बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या करने के आरोप में 40 साल बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। 61 वर्षीय अंतराम ने 1982 में अपने दोस्त की मदद से वकील राघवेंद्र सिंह के छोटे भाई हरेंद्र सिंह का अपहरण कर लिया और उसकी हत्या कर दी। अंतराम और उसके साथी चंद्रभान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। चंद्रभान को गिरफ्तार कर लिया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, जब अंतराम फरार रहा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, अपराध के बाद, अंतराम राम निवास नाम से दिल्ली में रहने लगा। उसने राष्ट्रीय राजधानी में पत्नी व तीन बच्चों का परिवार बनाया। स्थानीय निवासियों के अनुसार पैतृक संपत्ति के विवाद में उसके तीन भाइयों में से एक ने पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी सोनम कुमार ने कहा, एक गुप्त सूचना के आधार पर, अंतराम को गिरफ्तार किया गया और अदालत के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया। एसएचओ (खेरागढ़) राजीव कुमार ने कहा, अपराध के बाद अंतराम ने कई ठिकाने बदल लिए थे। बाद में उसने अपना नाम बदल लिया और फर्जी आधार कार्ड बनवा लिया। उसने दिल्ली के हौज खास पुलिस स्टेशन के तहत एक इलाके में एक घर भी बनाया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास

मल्लिकार्जुन खरगे के घर हुई नीतीश कुमार और राहुल गांधी की बैठक, विपक्षी एकजुटता पर बनी ये रणनीति

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास तेज कर दिए हैं. नीतीश कुमार सोमवार (22 मई) को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर पहुंचे. जहां अहम बैठक हुई. इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी केसी वेणुगोपाल, जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह और बिहार सरकार में मंत्री संजय झा भी मौजूद रहे.मिली जानकारी के मुताबिक तेजस्वी यादव खराब तबीयत की वजह से बैठक में नहीं आ पाए. बैठक के बाद केसी वेणुगोपाल और ललन सिंह ने कहा कि आज हमारी बैठक में विपक्षी एकता के बारे में जो सहमति बनी हुई थी, उसपर विस्तार से चर्चा हुई. विपक्षी एकता के लिए सभी दलों की एक बैठक होगी, जिसके लिए जगह,

समय और तिथी अगले 2-3 दिन में तय हो जाएगी. ज्यादातर विपक्षी नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा. इस बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट किया कि अब एकजुट होगा देश, लोकतंत्र की मजबूती ही हमारा संदेश है. राहुल गांधी और हमने आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ वर्तमान राजनैतिक स्थिति पर चर्चा कर, देश को एक नई दिशा देने की प्रकिया को आगे बढ़ाया. इससे पहले शनिवार को कर्नाटक में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भी विपक्ष के 18 दलों के नेता एक मंच पर नजर आए थे और विपक्षी एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया गया था. इस समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जेडीयू के अध्यक्ष ललन सिंह, बिहार के उप मुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव भी पहुंचे थे. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पिछले कुछ महीनों से विपक्षी एकजुटता का प्रयास कर रहे हैं. इस प्रयास के तहत खरगे कई विपक्षी नेताओं से बात और मुलाकात कर चुके हैं. दूसरी तरफ नीतीश कुमार भी कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर एक मंच पर आने की सलाह दे चुके हैं. आने वाले दिनों में बिहार की राजधानी पटना में विपक्ष के प्रमुख नेताओं की एक बैठक हो सकती है.

प्रदेश के मुख्य सचिव की नियम विरूद्ध की गई सेवावृद्धि निरस्त की जाये : डॉ. गोविंद सिंह

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
पुष्पांजली टुडे

भोपाल । विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने भारत के मुख्य चुनाव आयुकत को पत्र लिखकर प्रदेश के मुख्यसचिव इकबाल सिंह बैस की सेवावृद्धि को निरस्त करने का अनरोध किया है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बेंस की 2022 में सेवानिवृत्ति उपरान्त मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने प्रदेश के बहुत से महत्वपूर्ण एवं काबिल आईएएस अफसरों को दरकिनार करते हुए छः माह की सेवावृद्धि दिलायी। वर्तमान में श्री बेंस का कार्यकाल 31 मई 2023 तक नियत होने के बाद पुनः 01/06/2023 से 30/11/2023 के लिए सेवावृद्धि ब?ा दी गई, जिसके आदेश केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 17/05/2023 को जारी कर दिए गए। जबकि नियम यह है कि किसी भी अधिकारी की सेवानिवृत्ति के उपरान्त सेवावृद्धि विशेष

परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए। जबकि प्रदेश में श्री बेंस मुख्य सचिव की सेवावृद्धि लगातार छः छः माह के लिए दो बार कराने का कोई विधिसम्मत आधार नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि वास्तविकता यह है कि कनार्टक राज्य के चुनाव परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आने एवं भाजपा की बुरी तरह हार होने के कारण मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान एवं भाजपा के लोग डर गये कि मध्यप्रदेश में भी ऐसी स्थिति हो सकती है इसलिए उन्होंने मुख्य सचिव की छः माह के लिए और सेवावृद्धि बड़ा दी गई। जिससे की आगामी विधानसभा चुनाव को प्रभावित किया जा सके। प्रदेश के सभी जिला कलैक्टर जोकि जिला निर्वाचन अधिकारी होते है उनकी सीआर लिखने का अधिकार भी इनके पास रहने से उन्हें प्रभावित कर सकेंगे एवं भाजपा के पक्ष में कार्य करने के लिए बाध्य किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के स्पष्ट आदेश है कि कोई भी अधिकारी तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए पदस्थ रहकर चुनाव में प्रक्रिया में रहकर कार्य नहीं कर सकता जबकि वर्तमान मुख्य सचिव को तीन वर्ष से अधिक हो गए हैं । नेता प्रतिपक्ष ने भारत निर्वाचन आयोग को प्रतिवेदन भेजकर मांग की गई है कि मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बेंस की पुनः छः माह के लिए की गई सेवावृद्धि को निरस्त की जाए । क्योंकि श्री बेंस की नियुक्ति 30/11/2023 के लिए नियत है जबकि यही अवधि आगामी चुनाव 2023 के कार्यकाल की मुख्य अवधि होगी, तब ऐसी स्थिति में श्री बेंस की सेवानिवृत्ति के पश्चात भारत निर्वाचन आयोग की अनुमति से प्रदेश का मुख्य सचिव पदस्थ किया जा सकेगा। इसलिए वर्तमान में ही श्री बेंस की सेवावृद्धि को निरस्त कराते हुए प्रदेश के योग्य, ईमानदार एवं कुशल प्रशासक एवं वरिष्ठ आईएएस को मध्यप्रदेश का नियुक्त किया जाये जोकि न्यायोचित होगा ताकि मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो सके जोकि भारतीय संविधान के अनुरूप होगा।

नाजायज धन्धे किसी भी सूरत में फलने फूलने नही दिये जावेगे...एसपी शैलेन्द्र सिह चौहान मुरैना

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह ... अभी तक थाना इलाको में जुआ शराब अवैध शस्त्रो के क्रय विक्रय सरीके नाजायज धंधे अब किसी भी सूरत में मुरैना पुलिस फलने फूलने नहीं देगी ऐसे अवैध कृत्यो को अंजाम देने वाले मुजरिमो के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी यह बात पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिह चौहान ने कहीं उन्होंने बताया कि मैंने जिले में मुखबिर तंत्र को मजबूत करने का काम प्रारंभ कर दिया है ताकि अपराधों और अपराधियों के बारे में सटीक सूचनाएं पुलिस को मिलती है पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिह चौहान ने माना कि गोपनीयता भंग होने की डर से लोग पुलिस को अपराधों और अपराधियों के बारे में सूचना देने से कतराते हैं उन्होंने कहा कि एक बार पुलिस जनता को यकीन दिलाने में कामयाब हो जाए तो उसे मुखबिरो से कारगर आम सूचनाएं मिलना प्रारंभ हो सकती है उन्होंने बताया कि हाल में ही कुछ दिनों में पुलिस को मुखबिरों से प्राप्त जानकारी मिलने से कामयाबी मिली है अभी हाल ही में अम्बाह इलाके में पाय के पुरा बरेह

में लूट का मामला दर्ज हुआ था जिस अम्बाह पुलिस ने पर्दाफास कर अपराधी को जेल भेजा है मुरैना एसपी शैलेन्द्र सिह ने ने दावा किया है कि हमें और कामयाबी मिलने की उम्मीद है यह सफलता अवैध शस्त्र की बरामदगी व अवैध शराब अथवा सट्टा व जुआरियो किसी भी हो सकती है मुरैना पुलिस अधीक्षकने अभी हाल ही में कमान संभाली है जिसमें मे महज 15 दिवस मे कई अपराधो का निकाल किया है तथा जिले के कुछ थानो में निरीक्षण कर शहर में स्वच्छता को लेकर उनके बिशेष फोकस है जैस बिधालय, तहसील परिषर , कॉलेज, कन्याशाला, य सार्बजनिक स्थान पर अगर कोई धूम्रपान व नशा करता पाया गया तो दण्डित किया जायेगा यह उनकी सराहनी-पहल है उन्होंने बताया मेरा मुखबिर तंत्र मजबूत रहता इलाके के प्रत्येक गांव प्रमुख गांव में कौन-कौन व्यक्ति अपराध में लिप्त है इसक पूरी जानकारी के लिए प्रयास जारी कर दिए गये हैं और प्रत्येक थाना प्रभारी को कहा कि यदि लोगों के राजस्व विभाग के मामले को राजस्व विभाग साथ मिलकर निवटारे की कोशिश जारी रखे ताकि अपराधों में गिरावट देखने को जरूर मिलेगी उन्होंने बताया कि शुरू से उनको वर्दी वाली नौकरी बहुत पसन्द थी शिक्षा और खेलों के प्रति उनकी बिशेष रूचि है और एक अच्छे सिधान्त बादी सरल सहज इंसान है...।

29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ में श्रीमद भागवत कथा में हुआ शिव-पार्वती विवाह प्रसंग

संस्कारों के बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं होता-श्रीजी प्रियंका शास्त्री

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर दबोह के समीप ग्राम धौरका में 29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ सर्वजातिय सामूहिक कन्या विवाह महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं संत प्रवचन चल रहा है।यज्ञ में कथा के पांचवे दिवस श्रीजी प्रियंका शास्त्रीजी ने श्रीमद् भागवत महापुराण की अमृत वर्षा से भक्तो कृतारित किया श्रीजी प्रियंका शास्त्रीजी ने भक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विवाह संस्कार पवित्र संस्कार है, लेकिन आधुनिक समय में प्राणी संस्कारों से दूर भाग रहा है।जीव के बिना शरीर निरर्थक होता है,ऐसे ही संस्कारों के बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं होता कथा के दौरान कपिल भगवान ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि ध्रुव ने आत्मविश्वास के साथ 5 वर्ष की अवस्था में ईश्वर को प्राप्त कर लिया हमें भी आत्मविश्वास से ओम नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जाप करना चाहिए, क्योंकि आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।भक्ति में दिखावा नहीं होना चाहिए उन्होने बताया

भूतों की टोली के साथ नाचते-गाते हुए शिवजी बारात आई बारात का भक्तों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।शिव-पार्वती की सचित्र झांकी सजाई गई विधि-विधान पूर्वक विवाह सम्पन्न हुआ महिलाओं ने मंगल गीत गाए ओर विवाह की रस्म पूरी हुई भक्तो ने महाआरती के बाद महाप्रसादी ग्रहण की।ग्राम धौरका में दूर-दूर से श्रद्धालुओं की भीड़ प्रवचन सुनने के लिए उमड़ रही है पांचवे दिन यज्ञ प्रबंधक चंद्रशेखर कुशवाहा भगत जी समस्त क्षेत्रवासिओ से अपील की 29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ सर्वजातिय सामूहिक कन्या विवाह महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं संत प्रवचन आप सभी सनातन धर्म प्रेमी श्रद्धालु भक्तों को यह जानकर पर हर्ष होगा कि सुश्री प्रियंका शास्त्रीजी के मुखारविन्द से ÷श्रीमद् भागवत महापुराण÷ की अमृत वर्षा संत प्रवचन एवं राम कथा का आयोजन किया जा रहा है।आप सभी भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं से आग्रह है कि इस पुण्य अवसर पर निम्न कार्यक्रमानुसार सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित उपस्थित होकर ज्ञानार्जन एवं पुण्य के भागी बनें तथा कार्यक्रम को सफल बनाए आप सभी सादर आमंत्रित है।इस दौरान यज्ञाचार्य शिवम् शास्त्री श्रीधाम वृंदावन, यज्ञ परीक्षत बब्बूराजा गुर्जर (गोटिया) कथा परीक्षत सुनीता अनुरूध सिंह गुर्जर(बड़ेलला)एवं समस्त क्षेत्रवासियो मौजूद रहे।

हर दिल ध्यान - हर दिन धयान का संदेश दे रहा है म0प्र0 जन अभियान

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ .बेताल सिंह गौड़

परिषद गोहद विकास खण्ड के सेक्टर क्रमांक- 05 मौ के ग्राम पंचायत अमोहना, अधिमारी कला, अधियारी खुर्द एवं नगर परिषद मौ के वार्ड क्रमांक-13 में आज द्वितीय शिविर माँ गजानन वृद्धा आश्रम मौ मे आये जिसमें घटिफुल नेस हैदराबाद से आए प्रशिक्षक नवीन कलानिया जी ने सभी को ध्यान के लाभ के बारे मे बताया। साथ में सेक्टर प्रभारी एवं मेंटर्स अरविन्द्र यादव एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष प्रशान्त मौर्य, ब्रजकिशोर तिवारी, राजीव रजक, जसमंत सिंह, नरेश सिंह मौर्य, सतीश कुमार, देवेन्द्रसिंह, निहालसिंह परिहार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन शिविरों में ग्रामीणों ने बड़ चड़कर हिस्सा लिया।

हर दिल ध्यान-हर दिन ध्यान का संदेश दे रहा है म. प्र.जन अभियान परिषद

व्यक्ति को हृदय से जोड़ने का कार्य कर रहा एकात्म ध्यान अभियान-मंजू गुप्ता

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार- लहार ब्लॉक में म.प्र.जन अभियान परिषद (योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन) विकासखंड लहार के सहयोग से एकात्म अभियान के अंतर्गत विकासखंड के ग्राम छिबाउली नम्बर 2 व दाऊ दयाल जी के मंदिर लहार में हार्टफूलनेस हैदराबाद से आये प्रशिक्षक सुशील यादव,एवम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मैंटर्स मंजू गुप्ता एवम नवांकुर रामकुमार यादव जी द्वारा गाँव गाँव जाकर एकात्मक योग का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।इसके साथ साथ गाँव में पक्षियों के लिए सकोरे रखबाने का कार्य भी संस्था द्वारा किया जा रहा है।सुशील यादव द्वारा विकासखंड के ग्रामों में ध्यान योग का प्रशिक्षण दिया प्रशिक्षण देते हुए

कहा कि ध्यान करने से हमारा मन शांत रहता है।यह हृदय पर केन्द्रित होकर ध्यान करने की विधि है,जिसमें हम हर पल अपने हृदय का अनुसरण करते हैं।ध्यान से हमारे विचारों में शुद्धता एवं पवित्रता आती है।प्रतिदिन अपने घर परिवार में सदस्यों के साथ 30 मिनट नियमित योग एवं ध्यान का अभ्यास करना चाहिए।इस अवसर पर जन परिषद लहार के ब्लाक समन्वयक मंजू गुप्ता ने कहा की अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले योग कार्यक्रम के लिए प्रत्येक गांव गांव ध्यान योग शिविर का आयोजन किया है।नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि रामकुमार दुबे विशेष रूप से उपस्थित रहे।इन शिविरों में ग्रामीणों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामों में पक्षियों को गर्मी में पीने के पानी के सकोरे टांगे गए। तथा सभी लोगों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

अध्यक्ष पद जो वास्तव में आशा, सद्भाव, शांति और स्थिरता का प्रतीक है, भारत की 20 अध्यक्षता है -

डॉ. आशुतोष पाठक
निल कुमार,
दैनिक पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो पाटन

गुजरात। युवा खेल एवम् सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग और स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड, गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान मे वागडोद आई.टी.आई.टी.आई, में जी20 - शिखर सम्मेलन तहत युवा - 20 युवा संवाद कार्यक्रम में डॉ. आशुतोष पाठक ने युवा संवाद के पांच विषयों पर विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। और त्र20 क्या है इसके बारे में विशेष ज्ञान दिया और आमंत्रित राष्ट्रों के साथ-साथ इसके सदस्य देशों के अलावा कौन कौन से अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को आमंत्रित किया गया है और 1999 में त्र20 की स्थापना से लेकर इसके उन्नत विकास तक की तस्वीर पेश की। युवा संवाद कार्यक्रम में डॉ. पाठक ने युवाओं को 21वीं सदी के कौशल और टिकाऊ रोजगार और मेक इन इंडिया के महत्व और व्यवसाय में नवाचार के बारे में एक अनूठी अंतर्दृष्टि प्रदान की।ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में बोलते हुए, डॉ. पाठक ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने के लिए हमें उत्सर्जन को नियंत्रित करना होगा और स्कूल और कॉलेजों में पढ़ने वाले युवा छात्रों को अपने अध्ययन परिसर में कोई एक पेड पौधारोपण और विशेष रूप से फलदार पेड़ लगाना चाहिए और उसका पालन-पोषण करना चाहिए और स्वदेशी पेडोको महत्व देने की वकालत की. साथ ही वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा के साथ-साथ उन्होंने मियावाकी पद्धति से पिंपल, बरगद, आसोपलाव आदि पेड़ों को बोना

चाहिए उसकी हिदायत दि और भी चर्चा की। युवाओं में नागरिकता और देशभक्ति की भावना विकसित करने के लिए युवा संवाद में लोकतंत्र में युवाओं के योगदान पर चर्चा की, संसदीय लोकतंत्र और राष्ट्रपति लोकतंत्र के अंतर पर चर्चा की, युवाओं को जनप्रतिनिधियों के गुणों से अवगत कराया और युवाओं को जागरूक किया की वर्तमान वैश्विक ध्रुवीकरण की स्थिति में विश्व शांति के प्रति भारत का रवैया हाल की परिस्थीती मे क्या है।साथ ही जब पूरा विश्व वैश्विक कोविड-19 महामारी की पीड़ा से जूझ रहा था तब कोविड-रोधी टीके की उपलब्धता और भारत का उसमे प्रदान क्याथा उसकीभी चर्चा की एवम् प्रथम सुख शारीरिक तंदुरुस्ती है ईस कथन की सच्चाई बताते हुए पौष्टिक आहार का महत्व और बाजरा वर्ष अर्थात बाजरा, ज्वार, मक्का और रागी जैसे अनाजों का वर्ष मनाया जा रहा है तब एसे खाद्यान्नोकी महत्ता क्या उससे सभीको अवगत कराया गया।जबकि इस प्रकार के अनाज का स्वास्थ्य के लिए शारीरिक स्वास्थ्य में बहुत महत्व है और एसे मोटे अनाज से आंत को जो फाइबर मिलता है, वैसा पोषण किसी अन्य बाहरी पोषक पूरक खाद्य तत्व से नहीं मिलता है। ईस बौध्दिक कार्यक्रम मे सरस्वती तालुका विकास अधिकारी श्री लिम्बाचिया साहिब, उप मामलतदार श्री. आशीषभाई चौधरी, आईटीआई प्रशिक्षक श्री. राणा साहिब, युवा भाजपा अध्यक्ष श्री भरतजी ठाकोर, सरस्वती तालुका, आई.टी.आई. के कर्मचारी व अन्य पदाधिकारी व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने आयोजित किया शिक्षक व मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह

मुख्य अतिथि रहे पूर्व डीजीपी उत्तर प्रदेश विक्रम सिंह

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर
पुष्पांजलि टुडे

एटा।आज आगरा रोड स्तिथ ग्रैंड स्पाइस होटल में मेधावी विद्यार्थी व शिक्षक सम्मान नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी नोएडा द्वारा आयोजित किया गया । , कार्यक्रम की शुरआत मुख्य अतिथि उत्तर के पूर्व डीजीपी व यूनिवर्सिटी के चांसलर विक्रम सिंह , वशिष्ठ अतिथि पीएसी कमाडेंट आदित्य प्रकाश वर्मा , जिला विद्यालय निरक्षक मिथलेश कुमार व अर्बन को ऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष गंजेंद्र सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करी । कार्यक्रम में 150 शिक्षको व 60 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित किए गए । पूर्व डीजीपी ने कहा कि शिक्षक एक व्यक्ति को एक मजबूत व्यक्तित्व बनाने में मदद करते हैं, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों को छात्रों के कौशल को बढ़ाने और उनकी रुचि के करियर को चुनने में मदद करने के लिए हाथ से हाथ मिलाकर काम करना चाहिए। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर डॉ. प्रसनजीत कुमार व विशेषज्ञों द्वारा नयी शिक्षा नीति के बारे में बताया गया व बच्चों की कैरियर काउंसिल की गई । कार्यक्रम में जिले के सीबीएसई, मजीएचएम कॉलेज मारहरा सुधीर कुमार गुप्ता , प्रिंसिपल आदर्श इंटर कॉलेज आदर्श मिश्रा, दून पब्लिक स्कूल से दीक्षा खेवानी, वहीं एससी

आईसीएसई, यूपी बोर्ड के प्रबंधक व प्रधानाचार्य रहे उपस्थित । जीजीआईसी प्रधानाचार्य नीतू सिंह , सर्वोदय प्रिंसिपल विजय कुमार मिश्रा, लोकमंदास मैनेजर स्वागत पचौरी, कुंवर मनोहर सिंह स्कूल मैनेजर डॉ ओमेंद्र सिंह , कॉन्वेंट , ब्राइट लैंड , बी पी एस , एस भी पब्लिक , राजमाता अनंत कुमारी , सरस्वती विद्या मंदिर , सेंट पॉल , लिमरा इंटरनेशनल आदि स्कूल से शिक्षक गड़ उपस्थिति रहे । संचालन भारती जैसवाल व शैलेंद्र गुप्ता ने किया

वीर शिरोमणि क्षत्रिय सम्राट महाराणा प्रताप जी की जयंती पर भव्य विशाल चल समारोह हुआ आयोजित

संतोष सिंह भदौरिया
दैनिक पुष्पांजलि टुडे न्यूज़

भिंड /गोरमी मे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर आज भव्य चल समारोह का आयोजन हुआ जो कि सुनारपुरा से चलकर गोरमी धीर सिंह कॉलेज तक पंहुचा , चल समारोह में क्षत्रिय योद्धा अपने दल बल के साथ एकत्रित हुए चल समारोह में क्षत्रिय वीर योद्धाओं के राजनेता से लेकर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं आमजन एकत्रित हुआ, बाइक और गाड़ियों की रैली ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया, हम आपको बता दें कि विशाल चल समारोह में आज लगभग दस हजार के लगभग क्षत्रिय वीर योद्धा शामिल हुए, क्षत्रिय योद्धाओं में सर्वप्रथम पैदल मार्च, उसके बाद लगभग पांच सैकड़ा मोटरसाइकिलें और लगभग तीन सौ कारे सम्मिलित हुई, जिसमे विशाल जनसमूह ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया, जय भवानी जय महाराणा प्रताप के जयकारों से गूंजा नगर, क्षत्रिय वीर योद्धाओं के इस चल समारोह मे नगर के कई स्थानों पर पुष्प वर्षा व मीठा

शरबत पिलाकर स्वागत किया गया, सौभाग्य बड़ी मुश्किल से मिलता है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की वीरता को भुलाया नहीं जा सकता है यदि महाराणा प्रताप नहीं होते तो आज यह हिंदुस्तान नहीं होता और हम हिंदुओं का कोई अस्तित्व नहीं होता द्य विभिन्नता भाइयों ने लगातार उन को हराने की कोशिश की कई गलत तरीके से उन को तोड़ने का प्रयास किया लेकिन हमारा ऐसा वीर योद्धा प्रतापी पूर्वज अपनी आन बान शान के लिए झुका नहीं भले शक उसे चाहे जितना भी कष्ट पड़ा हो वह अपने कष्ट को झेलता रहे पर अपने कर्तव्य से विमुख नहीं हुए, इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष कामना सुनील सिंह भदौरिया ने कहा महाराणा प्रताप हिंदुस्तान की वह जीवंत आत्मा है जो आज भी हम सबके बीच विराजमान हैं आज यदि हम अपने स्वाभिमान की बात करते हैं अपने आत्म गौरव की बात करते हैं तो यह आत्म गौरव और स्वाभिमान को अपने अंदर बनाए रखने की शक्ति राणा प्रताप ने ही प्रदान की है यदि राणा प्रताप नहीं होते को हम सब का अस्तित्व मिट गया होता इस दौरान राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया,सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदोरिया के भाई देवेंद्र सिंह भदोरिया, पूर्व कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष केपी

सिंह भदौरिया, कांग्रेस के युवा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य राहुल सिंह भदौरिया, वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष कामना सुनील सिंह भदोरिया, सत्यपाल सिंह भदौरिया, आम आदमी पार्टी के नेता लवली भदौरिया, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रज्जन सिंह भदौरिया पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मेहगांव ममता भदौरिया, जगमोहन सिंह भदोरिया,राजेंद्र सिंह भदौरिया, , विष्णु परमार,पवन तोमर, संतोष सिंह भदोरिया पत्रकार, रणवीर परमार पत्रकार, मुकेश भदोरिया पत्रकार, डीपी भदौरिया पत्रकार , रज्जन भदोरिया पत्रकार, गोकुल सिंह परमार, आशीष सिंह परिहार, रवि भदोरिया, सोनू भदोरिया, सोबरन भदोरिया समस्त क्षत्रिय समाज के बंधु विभिन्न पंचायतों के सरपंच एवं विभिन्न राजनैतिक दलों में व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले क्षत्रिय बंधु एकत्रित हुए, चल समारोह के दौरान राज्य मंत्री ओ पी एस भदौरिया ने कहा आज बड़े गौरव की बात है कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती आज हम सब धूमधाम से मना रहे हैं आज हम सब यहां एकत्रित हुए ह

योजनाओं के क्रियान्वयन में मैदानी अधिकारी विशेष रुचि लेकर कार्य करें मंत्री सिसोदिया

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया द्वारा विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला पंचायत कार्यालय भिण्ड के सभागार में ली गई। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की हितग्राही मूलक योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाने और लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में मैदानी अधिकारी विशेष रुचि लेकर कार्य करें। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया, संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष रणवीर सिंह जाटव, भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया, मुख्या कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनोज सरियाम सहित विभिन्ने विभागों के जिला अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह

सिसोदिया ने विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि लंबित निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने अमृत सरोवर योजनांतर्गत निर्मित किये गये तालाबों के कार्यों की प्रशंसा कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में मुक्तिधाम टीनसेड लगाकर बनाए जाएं, सरकारी स्कूलों की बाउंड्रीवॉल बनाई जाए सभी सीईओ जनपद यह कार्य प्राथमिकता से करें। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने ईई पीएचई से संचालित नलजल योजनाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ईई पीएचई को निर्देशित कर कहा कि जहां जहां नल जल योजना का कार्य पूर्ण होकर चालू हो गई है उन सभी ग्राम पंचायतों के नाम एवं वीडियो उपलब्ध कराएं। प्रगति कम पाई जाने पर कार्यवाही की जावेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री सड़क पेचवर्क कार्य के संबंध में जानकारी ली एवं बारिश से पूर्व और बारिश के बाद सड़क संधारण करने निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण),मध्यप्रदेश-डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, आंगनबाड़ी भवन सहित विभिन्न बिंदुओं एवं योजनाओं की समीक्षा की।

तेजस्वी युवा शिविर में पहुंचे, बेंगलुरु के युवा भाई

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु। पिछले कई वर्षों से असंख्य युवानों ने पूज्य बापूजी के सम्पर्क में आकर अपने जीवन में आश्चर्यजनक उन्नति की है और आज भी कर रहे हैं। आज के युवाओं के लिए युवा सेवा संघ वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा दूरदर्शिता से परिपूर्ण भारतीय संस्कृति को समझने तथा उसके अनुसार जीवन को उन्नत बनाने की कला सीखने का माध्यम है। इन्हीं संकल्प से संत श्री आशारामजी आश्रम, बेंगलुरु में 21 मई (रविवार) को आश्रम में तेजस्वी युवा शिविर का आयोजन हुआ। युवा समिति सचिव प्रशांत भाई ने बताया- जीवन में उत्तम संग, सत्साहित्य का अध्ययन, निष्काम कर्मयोग तथा महापुरुषों का मार्गदर्शन हो तो हमारे लिए अपना लक्ष्य प्राप्त करना आसान हो जाता है परंतु आज के कंप्यूटर एवं

विज्ञान युग में दौड़ भाग का स्पर्धात्मक जीवन जीने वाले युवकों को ये चारों चीजें इकट्ठी प्राप्त होना बड़ा ही दुर्लभ संयोग होगा। युवकों के लिए यह दुर्लभ संयोग सुलभ बनाने हेतु परम पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की पावन प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से देश-विदेश में युवा सेवा संघ का गठन किया जा रहा है। जागरूक व जिज्ञासु युवा जगत को इन युवा संघों के उद्देश्य, विशेषताएँ तथा सेवाप्रणाली के विषय में विस्तृत मार्गदर्शन देने हेतु यह तेजस्वी युवा शिविर का आयोजन किया गया है।युवा समिति अध्यक्ष विवेक भाई ने बताया- बेंगलुरु में आयोजित युवा संघ का उद्देश्य9 युवाओं के जीवन में एक सच्चे हितैषी एवं उत्तम मार्गदर्शक मित्र की भूमिका निभाना।संयम, सदाचार, चारित्र्यसम्पन्नता, परोपकार, निर्भयता, आत्मविश्वास आदि दैवी गुणों का युवाओं में विकास करना। युवाओं को आश्रम द्वारा संचालित विभिन्न सेवाकार्यों में जोड़कर राष्ट्रोन्नति के कार्य में सक्रिय योगदान देना। युवाओं को परिवार, समाज एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाना। भारतीय संस्कृति के सिद्धान्तों का अध्ययन करने के बाद उनकी वैज्ञानिकता व तर्कसम्मतता को देखकर आधुनिक वैज्ञानिक भी आश्चर्यचकित हो रहे हैं। ऐसी महामयी भारतीय संस्कृति को समझने-समझाने में तथा उसके प्रचार-प्रसार में सहयोगी बनना।युवा सेवा संघ के माध्यम से निष्काम सेवा करते हुए मनुष्य जीवन के परम लक्ष्य ईश्वरप्राप्ति की ओर अग्रसर होना है।

सीरवी समाज की माताओं बहनों ने दी भजनों की प्रस्तुति

पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद ¬सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडां वडेर प्रांगण में रविवार को सुबह 11¬30 बजे से माताओं बहनों के भजनों एवं भोजन प्रसाद का कार्यक्रम संपन्न हुआ।सुबह आईमाताजी की महाआरती की गई उसके बाद आईमाताजी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर भजनों का शुभारंभ हुआ ।महिलाओं ने आईमाताजी जीवनी आधारित भजन प्रस्तुत किए तो महिलाएं भावविभोर होकर नाचने लगी ।आयोजन के लाभार्थी परिवार उदाराम पुत्र वागाराम भायल मरुधर में गांव रड़ावास वालों द्वारा गाजे-बाजे के साथ माताजी को भोग लगाया गया एवं माताजी एवं बाबा रामदेवजी महाराज कि आरती बोली गई एवं लाभार्थी परिवार के धर्मपत्नी का माला एवं दुपट्टा से स्वागत किया गया। माताओं बहनों द्वारा सानदार भजन प्रस्तुत किया गया तथा सभी पधारे हुए भक्तों के लिए मारवाड़ का फेमस दाल, बांटा, सुरमा, चावल, साम्बर, पापड़ी, का भोजन प्रसाद ग्रहण किया गया । संस्था के अध्यक्ष व सचिव हिरालाल सैणचा ने सभी समाज बन्धुओं को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया ।

मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक चेम्बर भवन में आयोजित

200 से अधिक गार्डन संचालको सहित निगम अधिकारी भी रहे उपसतिथ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। और गार्डन एसोशियेशन के पदाधिकारी बैठकर रजिस्ट्रेशन के लिए बनाएंगे नीति लेकिन सेफ्टी के साथ समझौता नही करेंगे और अनावश्यक प्रावधानो का निकलाएंगे हल ग्वालियर 22 मई। विवाह स्थल का पंजीयन एवं उपभोग-2020 अधिनियम को लेकर मैरिज गार्डन संचालकों में व्याप्त भ्रांतियों को लेकर आज 'चेम्बर भवनक्र में मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल, मैरिज गार्डन एसोसिएशन के अध्यक्ष-आर.पी. माहेश्वरी, सचिव-रामकुमार सिंह सिकरवार, कोषाध्यक्ष-सुरेश खण्डेवाल, नगर निगम

अधिकारी-अतिबल सिंह यादव, सुनील सिंह चौहान, लोकेन्द्र सिंह चौहान, संजय शिंदे तथा ब?ी संख्या में मैरिज गार्डन संचालक उपस्थित रहे।बैठक में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा विवाह स्थल का पंजीयन एवं उपभोग-2020 अधिनियम के संबंध में मैरिज गार्डन संचालकों में व्याप्त भ्रांतियां को दूर किया एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।बैठक के अंत में निर्णय लिया गया कि म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के नेतृत्व में मैरिज गार्डन एसोसिएशन के पदाधिकारी शीघ्र ही एक बैठक करेंगे और उसके उपरांत इस संबंध में आगामी कार्यवाही की जायेगी।बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा तथा आभार मैरिज गार्डन एसोसिएशन के अध्यक्ष-आर.पी. माहेश्वरी द्वारा व्यक्त किया गय

कलश शोभायात्रा नगर में बड़े धूमधाम बैंड बाजे घोड़ा बग्गी के साथ निकाली गई नगर में खुशी का माहौल देखने को मिला

मुंगावली- पुष्पांजली टुडे
संवाददाता जितेंद्र राय-

प्राचीन सिद्धेश्वर मंदिर से सोमवार को कलश यात्रा बड़े धूमधाम बैंड बाजों के साथ काफी संख्या में लोग एकजुट होकर चंदेरी रोड होकर बस स्टैंड से पोस्ट ऑफिस चौराहे से होकर स्टेशन रोड गणेश शंकर विद्यार्थी चौराहा होकर राम इच्छा कुटी कलश यात्रा पहुंची राम इच्छा कुटी पर कलश में जल भरकर वहां से यात्रा प्रारंभ हुई गणेश शंकर विद्यार्थी चौराहा होकर मल्हारगढ़ रोड गायत्री चौराहे होकर रामलीला मंच पुराना बाजार होकर पोस्ट ऑफिस चौराहा से सिद्धेश्वर मंदिर पर कलश यात्रा पहुंची कल मंगलवार को कथा प्रारंभ हो जाएगी कथावाचक जितेंद्र गोस्वामी मंगलवार से ही यज्ञ प्रारंभ हो जाएगा यज्ञ करता पुजारी बालक दास त्यागी यज्ञ कार्य शिव शंकर समाधिया यज्ञ ब्रह्मा पंडित अतुल प्रदीप बापट दादा गुरु महंत गोविंद दास त्यागी अयोध्या गुरुजी रामदास त्यागी भीलवाड़ा से सिद्धेश्वर मंदिर सरकारी बगीचा के नाम से जाना जाता ह

बडा हादसा टला

मिशन अस्पताल में लगी आग, देर से पहुंची फायर ब्रिगेड

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थानीय राय चौराहा स्थित मिशन अस्पताल में शार्ट सर्किट कि वजह से आग लग गई। आग अपना विकराल रूप लेती उसके पहले आग पर काबू पा लिया गया। फायर ब्रिगेड भी देर से पहुंची अस्पताल जब तक आग पर काबू पा लिया गया। परिसर में उपस्थित लोगों द्वारा बताया गया है कि जिस समय अस्पताल में आग लगी उस समय डायलिसिस के पांच मरीज एवं अन्य मरीज भर्ती थे,जिन्हें

स्टॉफ के अम्बर मिश्रा नें अपनी पूरी टीम के साथ अस्पताल के अंदर घुसकर एवं वहां के कांच तोड़कर कमरों में भरे धुएँ को निकाला एवं आग को बुझाया गया। इसके अलावा

राय चौराहा पर खड़े स्थानीय निवासी विष्णु रजक एवं श्रजन असाटी के द्वारा भी आग बुझाने में स्टॉफ की मदद की गई नहीं तो बड़ी जनहानि होने से रोका नहीं जा सकता था। घटना कि जानकारी लगते ही कोतवाली प्रभारी विजय सिंह राजपूत अपने दल बल के साथ मोके पर पहुंचें और घटना कि जानकारी ली। तो वही अस्पताल प्रबंधन का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी घटना स्थल पर देखने नहीं मिला और अस्पताल का फायर सिस्टम भी पूरी तरह फैल नजर आया।

चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात

रिपोर्टर - प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसुदनगढ़।मधुसुदनगढ़ नगर में हालात ये है कि यहां नियम तो बनते है लेकिन ज्यादा दिन नहीं चलते हैं। कहने को तो नगर में बहुत नेता हैं।नेतागिरी पर सब अपनी अपनी रोटियां सेंकने में लगे हुए हैं। किसी भी नेता एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आम जनता की कोई फिक्र नहीं है। नियम ये था कि सुबह दस बजे से रात दस बजे तक ट्रैक्टर ट्रॉली एवं बस नगर में नही आएंगी लेकिन ये नियम सिर्फ चार से पांच दिन चला आलम ये है की भरी गर्मी में महिलाओं एवं बच्चो को पैदल चल कर एक किलोमीटर की दूरी तय करके अपने अपने मुकाम पर आना पड़ता है। पुलिस अधिकारियों ने भी अपना काम किया वो भी सिर्फ शुरू के दो चार दिन उसके बाद स्थिति वही हो गई ट्रेक्टर भी बाजार में आते हैं। जाम भी लगता है। नियम के ना ही पुलिस प्रशासन ने ध्यान दिया ना ही नगर परिषद के अधिकारियों ने ध्यान दिया। ये सब हालतों को देखते हुए तो यही लगता है की सब शासन प्रशासन बिका हुआ है।

हनुमान मंदिर में विराजमान हुई शिव कि प्रतिमा

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के जबलपुर नाका स्थित हनुमान मंदिर में शिव मूर्ति कि प्राण प्रतिष्ठा,हवन पूजन गाजे बाजे के साथ हुई।बड़ी संख्या में वार्ड वासियों के द्वारा मंदिर परिसर पहुंचकर पुण्य लाभ लिया। मंदिर में शिवशंकर कि मूर्ति कि प्राण प्रतिष्ठा के साथ,हवन पूजन,महिलाओं के संगीत के बाद भंडारे का कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें शहर के लोगों नें पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सिविल वार्ड नंबर 2 के पार्षद दुर्गेश नंदिनी शैलेन्द्र सिंह के अलावा जित्तू ठाकुर, कल्लू ठाकुर, पंडित जे पी मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों कि उपस्थिति रही।

ओवरटेक करने में पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर, मासूम घायल

दमोह जबलपुर स्टेट हाईवे सिग्रामपुर चौकी मुख्यालय ग्राम सिग्रामपुर ओवरटेक करने में पिकअप ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी हादसे में बाइक में सवार तीन लोगों में से दो मासूम बच्चों में 5 वर्षीय शुभम झारिया को पैर में गंभीर चोटें आई हैं बाइक चालक गोलू झारिया ने बताया बाइक से अपने दो मासूम बच्चों को लेकर शहपुरा जबलपुर से अपने गृह गांव कोठा जबेरा जाते वक्त सिग्रामपुर ग्राम पहुंचते ही जबेरा से कटंगी की ओर जा रही पिकअप मिनी ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीबी 6588 मैं ओवरटेक करते हुए जोरदार टक्कर मार दी खतरनाक हादसे में बाइक सवार 3 लोगो में चालक व उसके भतीजे शुभम मेहरा के पैर में गंभीर चोट आई हादसे एक प्रत्यक्षदर्शी स्थानीय लोगों के द्वारा घायलों को तत्काल ही उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा भेजा गया ह

महाराणा प्रताप की जयंती पर जबलपुर नाका स्थित मूर्ति पर किया माल्यार्पण

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। महाराणा प्रताप जी कि जयंती के अवसर पर जिले के समस्त सामाजिक, धार्मिक एवं हिन्दू संगठन के द्वारा अंबेडकर चौक से वाहन रैली निकालते हुए महाराणा प्रताप चौक जबलपुर नाका पर पहुंचकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर युवा राजपूत क्षत्रिय महासभा के पूर्व अध्यक्ष राशु चौहान, कार्यालय प्रभारी सुनील ठाकुर, पार्षद विक्की गुप्ता , कपिल सोनी, विक्रम ठाकुर, राजू बगीरा, धीरज धारू, शैलेंद्र सिंह चौहान, गोविंद सिंह ठाकुर, अखिलेश श्रीवास्तव, जित्तू चौहान, जेपी मिश्रा, कल्लू चौहान, दुष्यंत चौहान, विक्रम साहू, सरदार सिंह, बंटी ठाकुर, हरिश्चंद्र, अनिल असाटी, लकी ठाकुर, केशव पटेल, नीरज चौहान, पंडित संदीप , धर्मेंद्र सिंह राजपूत,राशु ठाकुर, सूर्या ठाकुर, बंटू ठाकुर,सीनू शर्मा, प्रमोद सिंह, भुज्जी भाई , लोकेंद्र सिंह, संदीप राजपूत, नितिन राजपूत सहित सैक?ो लोग जयंती समारोह में शामिल हुए।

चारधाम यात्रा से लौटे तीर्थ यात्रियों का हुआ भव्य स्वागत

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। चारधाम यात्रा से लौटे तीर्थ यात्रियों का स्वागत किया गया। स्थानीय जबलपुर नाका पर स्थित देव श्री रासबिहारी मंदिर में चारधाम यात्राकर लौटे तीर्थ यात्रियो का मंदिर के पुजारी पंडित शिवम पाठक एवं स्थानीय लोगो के द्वारा गाजे बाजे के साथ स्वागत किया गया।

संपूर्ण हिंदू समाज ने मिलकर महाराणा प्रताप जी के विक्रम संवत तिथि के हिसाब से 22 मई को जन्मोत्सव मनाया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर।अभी तक अंग्रेजी तिथि के अनुसार 9 मई को महाराणा प्रताप जी का जन्म उत्सव मनाया जा रहा था लेकिन मध्यप्रदेश में संपूर्ण समाज के लोगों ने महाराणा प्रताप जी के जन्म उत्सव पर अवकाश की मांग की थी जिसको लेकर मध्य प्रदेश सरकार ने 22 मई को विक्रम संवत के हिसाब से अवकाश घोषित किया है अतः आज से ग्वालियर चंबल संभाग संपूर्ण मध्यप्रदेश के समाज ने यह निर्णय भी लिया है कि अब से प्रत्येक वर्ष प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप जी के जन्मोत्सव के अवसर पर प्रतिवर्ष 22 मई को ही उत्सव मनाया जाएगा आज पत्रकार वार्ता में राष्टीय हिंदू एकता संगठन भारत के संस्थापक धर्मेंद्र सिंह राजावत जी ने बताया कि आज नवीन पार्क पाताली हनुमान से लेकर हजीरा होते हुए श्याम मंदिर होते हुए गोले के मंदिर तक ग्वालियर के सर्व समाज ने मिलकर महाराणा प्रताप जी के जन्म उत्सव का आयोजन वाहन रैली निकालकर किया और जिस प्रकार से महाराणा प्रताप जी ने सभी जाति एवं वर्ग के लोगों की रक्षा करते हुए देश की एकता एवं अखंडता के लिए कार्य किया और अपना सर्वस्व निछावर किया इसी प्रकार क्षत्रिय समाज के युवाओं को सभी को समान रूप से सम्मान देना चाहिए मुख्य रूप से आयोजन करता ,मोनू बिजौरा,मुन्ना चौहान,पिंटो

चौहान,अनूप जादौन,भोलू चौहान,मुकेश तोमर विपिन भदौरिया,रामराज भदौरिया,बॉबी शेखावत,श्यामू ठाकुर,वेद प्रकाश सिंह राजावत आशुप्रताप सिंह राजावत दुर्गेश सिंह भदौरिया राजू सिंह राजावत,डोलू राजावत,सुरजीत सिंह राजावत,आशीष तोमर,विशाल विषेन,सुनील राठौड़ एवं सैकड़ों युवा साथियों ने सभी हिन्दू समाज के मित्रों के साथ 486 वा जन्म जयंती पर नवीनपार्क पाताली हनुमान से हजीरा होते हुए मनोरंजन मैदान होते हुए गोले के मंदिर तक विशाल वाहन रैली का आयोजन किया और रैली का समापन अमर बलिदानी महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा गोले के मंदिर पर पहुंचकर फूल माला अर्पित की एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया और प्रसाद वितरण कर किया मार्ग में वरिष्ठ समाजसेवी गणमान्य नागरिकों के द्वारा रैली का भव्य स्वागत किया गयाकार्यक्रम के आयोजक श्री अनिरुद्ध सिंह मुन्ना चौहान जी ने आयोजन में आए सभी मित्रों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कहा जिस प्रकार महाराणा प्रताप ने सर्व समाज के लिए अपना सर्वस्व निछावर किया एवं सभी जाति वर्ग के लोगों को लेकर मुगलों से अपने देश के स्वाभिमान को बचाए रखा इसी प्रकार प्रत्येक राजपूत समाज के युवा को सभी जाति वर्ग के लोगों को सम्मान देते हुए सभी को एक साथ लेकर हमेशा सम्मान देते हुए कार्य करना चाहिए

कर्नाटक के जनादेश का लोकतांत्रिक संदेश

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत को लेकर किसी किंतु-परंतु के लिए कोई स्थान नहीं है। 224 सदस्यीय विधानसभा में 135 सीटों पर स्पष्ट विजय मिली है कांग्रेस को। शायद ही इससे पहले कभी कांग्रेस को कर्नाटक में ऐसी विजय मिली होगी। लेकिन क्या कांग्रेस की जीत ही इस चुनाव की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है? इस सवाल को इस रूप में भी पूछा जा सकता है कि महत्वपूर्ण कांग्रेस का चुनाव जीतना रहा है अथवा कर्नाटक में भाजपा का हारना? वैसे देखा जाये तो दोनों बातों का अर्थ एक ही लगता है– कांग्रेस कर्नाटक में जीती है, और भाजपा हारी है। लेकिन हकीकत यह भी है कि कांग्रेस के जीतने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कर्नाटक में भाजपा की हार। यूं तो भाजपा कह सकती है कि कर्नाटक में परंपरा-सी रही है चुनाव-दर-चुनाव सरकार का बदलना, और वह यह कहकर संतुष्ट भी हो सकती है कि राज्य में उसका आधार कमजोर नहीं हुआ, उसका वोट प्रतिशत पिछले चुनाव जितना ही रहा है। इस चुनाव में भाजपा को 36 प्रतिशत वोट मिले हैं, 2018 के चुनाव में भी इतने ही वोट मिले थे। लेकिन वोट प्रतिशत का कम न होना कर्नाटक में भाजपा की घटती साख के तथ्य को छिपा नहीं सकता। हकीकत यह है कि चुनाव-प्रचार में हर हथकंडा अपनाने के बावजूद दक्षिण भारत का द्वार भाजपा के लिए बंद हो गया-सा लगता है। चुनाव में कांग्रेस का जीतना भले ही कम महत्वपूर्ण न हो, लेकिन भाजपा का हारना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा का विजय-रथ के रुकने के संदर्भ में भी देख रहे हैं। सन्‌ 2014 में शुरू हुई थी देश में भाजपा की विजय-यात्रा। इसके बाद 2019 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार विजय पायी थी। लगने लग गया था कि अब ताकतवर भाजपा को हराना कमजोर और बंटे हुए विपक्ष के बस का नहीं रहा। एक तयशुदा और सोची-समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री मोदी को एक अजेय नेता के रूप में स्थापित किया गया। यह भी इसी रणनीति का हिस्सा था कि 'मोदी' है तो जीत पक्की है, को एक विश्वास के रूप में सामने रखा जाये। पिछले दस सालों में यह विश्वास फला-फूला भी। हकीकत यह भी है कि भाजपा भले ही यह कहती रहे कि पार्टी व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, पर स्थिति यह बना दी गयी थी कि प्रधानमंत्री मोदी और कुछ हद तक गृहमंत्री अमित शाह भी, पार्टी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। कर्नाटक के इस चुनाव ने इस अवधारणा को ध्वस्त कर दिया है। सवाल पूछा जाने लगा है कि यदि चुनावों में जीत का श्रेय प्रधानमंत्री को ही दिया जाना सही था तो कर्नाटक के इस चुनाव में भाजपा की हार को प्रधानमंत्री मोदी की हार क्यों न माना जाए? भाजपा नेतृत्व इस सवाल के अर्थ और महत्व को समझ रहा है। इसलिए कोशिश की जा रही है कि कर्नाटक की हार को कमतर आंका जाये। कर्नाटक चुनाव के तत्काल बाद भाजपा ने जिस तरह से मोदी-सरकार के दस साल का जश्न मनाने की शुरुआत कर दी है, वह इसी कोशिश का एक हिस्सा है। अब भाजपा पूरा एक महीना अपने कार्यकाल का जश्न मनायेगी। देशभर में भाजपा के प्रचार-प्रसार के लिए रैलियां आयोजित की जाएंगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस 'जश्न' की शुरुआत प्रधानमंत्री की दो रैलियों के साथ हो रही है। लेकिन भाजपा के लिए इस बात को भुलाना भी शायद ही संभव हो कि कर्नाटक में प्रचार के आखिरी दौर में प्रधानमंत्री की दो 'प्रचंड रैलियों' के बावजूद संभावित हार को जीत में बदलना मुश्किल हो गया बहरहाल, भाजपा की आगामी रणनीति पर आगे चर्चा होगी ही। आज तो महत्वपूर्ण यह देखना है कि कर्नाटक में भाजपा की हार का मतलब क्या है? दो मतलब हैं इस हार के, पहला तो यह कि 'कांग्रेस मुक्त भारत' का सपना दिखाने वाली भाजपा के लिए दक्षिण भारत का दरवाजा फिलहाल बंद दिख रहा है। 'भाजपा मुक्त दक्षिण भारत' की यह स्थिति देश की राजनीति की नयी संभावनाओं को जन्म देने वाली है। यह सही है कि पिछले आठ-दस साल में भाजपा की यह चुनावी हार पहली नहीं है, हाल ही की हिमाचल की भाजपा की हार को भी कम करके नहीं आंका जाना चाहिए, पर कर्नाटक में भाजपा की हार के मायने ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। यह तथ्य अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं कि इन चुनावों में भाजपा के बुनियादी दावों को चुनौती दी गयी थी। भाजपा ने जीत के लिए हर हथकंडा अपनाया था। सांप्रदायिकता के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश भले ही कोई नयी बात नहीं हो, पर जिस तरह चुनाव-प्रचार के अंतिम चरण में स्वयं प्रधानमंत्री ने जीत के लिए बजरंगबली का सहारा लेने की कोशिश की, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भाजपा के नेता इस बात को भी बार-बार दुहराते रहे कि बजरंगबली का नाम पहले कांग्रेस ने लिया था। कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गयी थी। कांग्रेस की यह 'चूक' भाजपा को एक 'अवसर' लगी और उसने 'बजरंगबली' को लपक लिया। प्रधानमंत्री ने तो चुनावी सभाओं में यहां तक कह दिया कि मतदाता जब वोट डालने जाएं तो 'बजरंग बली की जय' बोल कर ईवीएम मशीन का बटन दबाएं। इसे धर्म के नाम पर वोट मांगना नहीं कहा जाये तो और क्या कहा जायेगा? आश्चर्य तो इस बात पर है कि चुनाव आयोग ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। ध्यान तो देश के गृहमंत्री की इस बात की ओर भी जाना चाहिए था जब उन्होंने कांग्रेस की जीत के बाद राज्य में स्थिति बिगड़ने की धमकी दी थी। इसे सतही प्रचार के रूप में ही देखा जा सकता है। 'हिजाब हलाल' से शुरू हुआ था चुनाव-प्रचार और बजरंगबली तक जा पहुंचा। इसे पराभव की राजनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस के नेतृत्व से कोई चूक ही नहीं हुई। धर्म और जाति का सहारा लेने के उदाहरण यहां भी मिल जाएंगे, पर निस्संदेह कांग्रेस के प्रचार में जोर भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोज़गारी पर ही था। यही होना भी चाहिए। स्वस्थ राजनीति का तकाज़ा है कि जनता के हित के बुनियादी मुद्दों के आधार पर राजनीति हो। भाजपा की शुरुआत कुछ-कुछ ऐसी हुई थी। राष्ट्रवाद, आदर्शवाद और नये सोच के नारे के साथ उतरी थी भाजपा मैदान में। पर आज जिस मोड़ पर भाजपा पहुंची है वहां संकीर्णता और जातीयता के जिन्न खड़े हैं। और यह स्थिति भाजपा ने स्वयं पैदा की है। बदलनी चाहिए यह स्थिति। कर्नाटक के चुनाव परिणामों के संदर्भ में भाजपा को यह सोचना ही होगा कि ध्रुवीकरण की राजनीति देश को, और भाजपा को भी, अंततः अंधेरों में धकेल देगी जहां से प्रकाश की किरण का दिखना भी मुमकिन नहीं होगा।

संपादकीय

एनजीटी की चेतावनी पर चेते सरकार

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील अरावली क्षेत्र में अवैध खनन पर रोक लगाने के प्रयासों में शिथिलता के चलते एक बार फिर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने तल्खी दिखायी है। निस्संदेह, हरियाणा सरकार की आलोचना के मूल में चिंता बढ़ाने वाली चूकों की लंबी शृंखला शामिल है। दरअसल, प्राधिकरण का मानना है कि कई गंभीर मामलों में कानूनी बाध्यता के बावजूद प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई। वहीं दूसरी ओर कई मामलों में जांच-पड़ताल लंबे समय से लंबित रही है। इतना ही नहीं, कई मामलों में कानून के प्रासंगिक प्रावधान प्राथमिकी और चार्जशीट में नहीं जोड़े गये हैं। विडंबना ही है कि अवैध खनन व परिवहन से संबंधित सात आपराधिक मामलों में आरोपी बरी हो गये। निस्संदेह, यह घटनाक्रम बताता है कि अवैध खनन रोकने की दिशा में कारगर कदम नहीं उठाये गये हैं। कह सकते हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों की अक्षमता, पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव व कदाचार के बीच लापरवाही के चलते कानूनी प्रावधानों का पालन नहीं हो पाया है। इन मामलों में निष्क्रियता का उल्लेख एनजीटी ने किया भी है। विगत में भी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल तंत्र की उदासीनता की ओर ध्यान दिला चुका है और सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग कर चुका है। कह सकते हैं कि एनजीटी की हालिया टिप्पणी राज्य सरकार के उन दावों की हकीकत पर सवाल उठाती है जिसको लेकर राज्य सरकारें मामले में सक्रिय होने का दावा करती रही हैं। यही वजह है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल इस मामले में सख्त टिप्पणी करता रहा है। बहरहाल, इस समस्या का गाहे-बगाहे उजागर होना दर्शाता है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई के लिये प्रशासनिक व राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी रही है। दरअसल,अरावली क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद स्टोन क्रशर और स्क्रीनिंग प्लांट्स की गतिविधियां चिंता बढ़ाने वाली बतायी जाती हैं, जिसके बाबत एनजीटी ने जानकारी मांगी है। अरावली क्षेत्र में खनिजों की खरीद, उन्हें ले जाने वाले वाहनों के लिये स्थापित चेकपोस्टों की संख्या, जीपीएस आदि आधुनिक तकनीकों समेत निगरानी तंत्र के बाबत राज्य सरकार से हलफनामा मांगा गया है। साथ ही हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से कहा गया है कि वह पर्यावरण क्षतिपूर्ति व अवैध खनन रोकने के लिये एकत्र किये गये जुर्माने के उपयोग से भूमि को मूल अवस्था में लाने तथा पुनर्वास करने के लिये एक कार्य योजना प्रस्तुत करे । निस्संदेह, इस जटिल होती समस्या के स्थायी समाधान के लिये एक स्वतंत्र अरावली संरक्षण प्राधिकरण स्थापित करने पर विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि एनजीटी के सख्त रवैये के बाद राज्य सरकार प्रभावी कार्रवाई के लिये रणनीति में बदलाव करेगी। सही मायनों में यदि राज्य सरकार वाकई ही खनन माफिया की गतिविधियों पर लगाम लगाने के प्रति गंभीर दिखना चाहती है तो इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को भी जांच व कार्रवाई के दायरे में लाने की जरूरत है। तभी हम पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं।

एक करोड़ रोजगार की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था और फरवरी में सम्पन्न हुए निवेशकों के तीन दिवसीय महाकुंभ का परिणाम दिखाई पड़ने लगा है। जिस तरह से निवेशकों के प्रति प्रदेश सरकार ने दरियादिली दिखाई है, प्रदेश में कानून व्यवस्था, सड़क परिवहन और ऊर्जा आदि के क्षेत्र में बेहतर महौल तैयार किया है उसका परिणाम आने वाले दिनों में धरातल पर दिखाई देगा। उत्तर प्रदेश एक करोड़ रोजगार के अवसर देने की और अग्रसर हो चुका है। प्रदेश के आगरा, प्रयागराज, गोरखपुर, अमेठी और एटा में 4500 करोड़ के निरवेश के साथ लगभग 6000 रोजगार के अवसर धरातल पर फलीभूत होते दिखाई पड़ रहे है। पहली बार इन पॉच जिलों के प्रस्ताव 100 प्रतिशत आनलाइन प्रक्रिया के तहत स्वीकार किए जा चुके है। जैव ऊर्जा के क्षेत्र में यूपीनेडा ने सात निवेशकों के 325 करोड़ के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यही नही प्रदेश में पिछड़े जिलों में गिना जाने वाला चन्दौली जिला प्रदेश सरकार की बेहतरीन कार्यशैली के चलते निवेशकों के लिए सबसे अधिक निवेश करने वाला जिला बना गया है। चार निवेशकों द्वारा चन्दौली जिले में 7020 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। अमेठी में 4,761 करोड़ का निवेश करने वाली 30 इकाईयॉ तो पूर्वांचल में 20,189 करोड़ खर्च कर 65 इकाईया उद्योग स्थापित करने को तैयार है। पश्चिमांचल में 12,051 करोड़ का निवेश के साथ 70 और मध्यांचल में 5200 करोड का निवेश कर 60 तो सबसे पिछड़े क्षेत्र बुन्देलखण्ड में 2872 करोड़ के निवेश के साथ चार इकाइयों की स्थापना अंतिम दौर पर है। एक मोटे अनुमान के अनुसार इतना निवेश होने के बाद प्रदेश में दस लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर अगले तीन माह में फलीभूत हो जाएगे। वास्तव में देखा जाए तो उत्तर प्रदेश को नए भारत का ग्रोथ इंजन बनाने की कड़ी में राजधानी लखनऊ में आयोजित निवेशकों के तीन दिवसीय महाकुंभ में नया इतिहास लिखा जा चुका है। यूपीजीआइएस-23 के माध्यम से 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रस्तावित निवेश न सिर्फ उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास दर को गति देगा बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का जरिया बन युवाओं के सपनों को भी साकार करेगा। ज्ञात हो कि इनवेस्टर समिट में 41 देशों से 400 से अधिक प्रतिभागी के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों से 10 हजार छोटे.निवेशक इस आयोजन का हिस्सा बनें थे। उस दौरानर विदेश से भी 7.12 लाख करोड़ निवेश की उम्मीद की गई थी। देश की सबसे बड़े उद्योगपति अंबानी ग्रुप ने इस दौरान खुदरा और नये ऊर्जा कारोबार समेत दूरसंचार नेटवर्क के विस्तार के लिए 75,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का वायदा किया था। ऐसे में यूपी को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की प्रबल सम्भावना को नकारा नही जा सकता। हाल में गलगोटिया विश्वविद्यालय के चांसलर सुनील गलगोटिया और सीईओ ध्रुव गलगोटिया से हुई मुलाकात में उत्तर प्रदेश के कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वास जताया कि राज्य में निवेशकों द्वारा किए जा रहे 32 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश से आने वाले दिनों में यहां करीब एक करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। सुनील गलगोटिया ने इसका सारा श्रेय मुख्यमंत्री को देते हुए कहा कि यह सब इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। यही कारण है कि निवेशक कहीं और जाने के बजाय अब भयमुक्त होकर प्रदेश में काम कर पा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्वयं की व्यथा साझा करते कहा कि कानून व्यवस्था बेहद लचर होने के कारण गलगोटिया समूह को भी शुरुआत में बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ा था। हर समय भय के माहौल में काम करना पड़ता था पर आज मुख्यमंत्री के सक्षम नेतृत्व के चलते हम बिना किसी डर के प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तायुक्त विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध करा पा रहें हैं।मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की पहल पर बनाए गए प्राइवेट यूनिवर्सिटीज एक्ट 2019 का उल्लेख करते हुए आश्वस्त किया कि इसके जरिए हमारी सरकार ने उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र की हर संभव सहयोग और प्रोत्साहन देने का मार्ग प्रशस्त किया है। इससे उत्तर प्रदेश देश में तेजी से उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों वाला हब बनने की ओर अग्रसर है। सुनील गलगोटिया ने इस बात से पूर्ण सहमति जताते हुए मुख्यमंत्री को इस दिलचस्प तथ्य से अवगत कराया कि पहले जहां उत्तर भारत के युवा उच्च शिक्षा के लिए दक्षिण भारत का रुख करते थे, वहीं सरकार का सक्रिय सहयोग मिलने के बाद माहौल पूरी तरह बदल - जाने से अब दक्षिण भारत सहित अन्य राज्यों के छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के शिक्षण संस्थानों का रुख करने लगे हैं। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान गलगोटियाज यूनिवर्सिटी के सीईओ ध्रुव गलगोटिया ने उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विश्वस्तरीय बनाने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उन्होंने यह भी कहा कि ग्रेटर नोएडा के जेवर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने से समूचे प्रदेश के विकास को और अधिक गति मिलेगी। इससे राज्य के युवाओं को हर स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार मिलने से उनमें उत्साह का संचार होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री के संकल्प, इच्छाशक्ति और विजन से प्रदेश निश्चित ही देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान कायम करेगा। यही नही छह साल पहले तक जिस गीडा में निवेश करने से निवेशक कतराते थे, बदले माहौल में वहां बड़ी इंडस्ट्री लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतिष्ठित उद्योग समूह मेसर्स अंकुर उद्योग लिमिटेड के इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट का उद्घाटन करेंगे। प्लांट के पूरी क्षमता से संचालित होने के बाद दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष और पांच हजार लोगों को परोक्ष रोजगार मिलेगा।

तैयार रहे, तापमान तो बढ़ेगा!

श्रुति व्यासदुनिया का हर जानकार कह रहा है कि यदि धरती को बचाना है तो दुनिया के औसत तापमान में 1.5 डिग्री की बढ़ोत्तरी की सीमा को कतई पार नहीं होने दे। लेकिन कहना है और टारगेट बहुत कठिन। विशेषकर इसलिए क्योंकि आबादी, माल और सेवाओं की मांग और भू-राजनैतिक तनाव ङ्क तीनों बढ़ रहे हैं। सही है कि दुनिया के देशों ने समस्या की गंभीरता को समझा हुआ है। सन 2015 में पेरिस समझौते पर दस्तखत करके संकल्प भी लिया था कि औद्योगिक क्रांति से पूर्व दुनिया का जो औसत तापमान था, उसमें 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक की वृद्धि नहीं होने दी जाएगी। परन्तु जैसे-जैसे समय बीतता गया, सभी को समझ आने लगा है कि इस संकल्प को पूरा करना आसान नहीं होगा।कल (मई 17, 2023) संयुक्त राष्ट्रसंघ के वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल आर्गेनाईजेशन (डब्ल्यूएमओ) ने चेतावनी दी है कि अगले पांच वर्षों में से कम से कम एक वर्ष में तापमान में वृद्धि की 1.5 डिग्री की सीमा पार होने की सम्भावना 66 प्रतिशत है। एक साल पहले डब्ल्यूएमओ ने इसकी सम्भावना 48 प्रतिशत बताई थी। इस संगठन का यह भी कहना है कि अगर 1.5 डिग्री की सीमा पार न भी हुई तब भी यह तो पक्का है कि अगले पांच सालों में से एक साल मानव इतिहास का सबसे गर्म साल होगा। इसके पहले यह रिकॉर्ड 2016 के नाम था। उस साल का औसत तापमान, औद्योगिक क्रांति से पहले की दुनिया की तुलना में 1.28 डिग्री ज्यादा था।इस अंतर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संगठन के महासचिव पेटेरी टालस ने चेतावनी देते हुआ कहाहै, इसके स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, वाटर मैनेजमेंट और पर्यावरण पर व्यापक प्रभाव होंगे। हमें तैयार रहना होगा।तापमान में संभावित वृद्धि के लिए मानव जाति तो ज़िम्मेदार है ही, इसका पीछे एल नीनो भी है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल आर्गेनाईजेशन के अनुसार अगले पांच सालों में उत्तरी यूरोप और अफ्रीका में सहारा रेगिस्तान के दक्षिण के स्थिति सहेल इलाके में गर्मी के मौसम में ज्यादा बारिश हो सकती है और अमेजन व ऑस्ट्रेलिया में कम। इसका सबसे बड़ा कारण है एल नीनो सदर्न ऑक्सीलेशन, जिससे आशय है प्रशांत महासागर के पूर्वी हिस्से के गर्म और ठंडे होना का प्राकृतिक चक्र। इस चक्र का दुनिया के मौसम पर व्यापक असर होता है। जब प्रशांत महासागर का पानी ठंडा होता है तब उसे ला नीना कहा जाता है। पिछले तीन सालों से यही हो रहा था, जिसके कारण पूरी दुनिया में तापमान कम था।

मुफ्त की राजनीति विजय की गारंटी नहीं

पहले हिमाचल प्रदेश और अब कर्नाटक के चुनाव परिणामों ने विचार को बाध्य किया है कि लोक कल्याणकारी कार्यों के नाम पर जनता को मुफ्त वस्तुएं और सेवाएं देने की घोषणाएं 'फ्रीबीज़' कितनी जायज हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने राजधानी दिल्ली में चुनावी विजयों की दृष्टि से इसका सर्वाधिक चतुर उपयोग किया है। इसे ही विस्तारित करते हुए पंजाब तक ले गए। अब दूसरी पार्टियां भी धीरे-धीरे आप का अनुसरण कर रही हैं। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने से लेकर राशन, बिजली सहित ऐसे वायदे किये जो अर्थव्यवस्था के लिए क्षतिकारक हैं। संयोग से उसे विजय प्राप्त हुई। कर्नाटक में उसने ज्यादा विस्तार किया है।

स्वाभाविक ही इस अंधी दौड़ में जो पार्टियां या व्यक्ति उसके विरोध में खड़ा होगा वह आज के हल्ला बोल माहौल में गरीब विरोधी और पूंजीपतियों, कॉर्पोरेट का दलाल और समर्थक तक करार दिया जाएगा। गांधी जी ने कहा था कि मैं देश में किसी मुफ्तखोरी की अनुमति नहीं दे सकता। वास्तव में अगर गहराई से देखें तो राजनीतिक पार्टियों की मुफ्त दान संबंधी घोषणायें और कदम देश के सामूहिक मानस को श्रम विमुख बना देना है। जिस व्यक्ति, समाज और देश के अंदर यह भाव और व्यवहार नहीं है कि अपने समक्ष उत्पन्न कठिनाइयों, चुनौतियों को स्वयं के संकल्प और परिश्रम से निपटा जाएगा तो वह व्यक्ति, समाज और देश कभी सशक्त व स्वावलंबी नहीं हो सकता। एक बार समाज को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की मुफ्तखोरी का स्वाद लग गया तो परिश्रम कर स्वयं को सक्षम बनाने का संस्कार नष्ट हो जाता है। उसमें उसका आत्मविश्वास भी खत्म हो जाता है।

इस विचार और व्यवहार का प्रभाव देखिए कि जिनके लिए कुछ किलो राशन, कुछ यूनिट बिजली या कुछ लीटर पानी का व्यय मायने नहीं रखता वह भी इससे प्रभावित होते हैं। कई चुनाव परिणामों विशेषकर दिल्ली, पंजाब आदि चुनाव परिणामों का निष्कर्ष तो यही है। वैसे भारत में मतदाताओं को रिझाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त दान का लंबा इतिहास है किंतु इसकी शुरुआत लोग दक्षिण के आंध्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों से मानते हैं। वहां मुफ्त चावल से लेकर कलर टीवी, केबल कनेक्शन, मोबाइल तक देने की घोषणाएं हुईं और दी गईं। समाज में वास्तविक वंचित, निराश्रित, कमजोर को राज्य मूलभूत आवश्यकताएं प्रदान कर संरक्षण दे यह समझ में आता है। किंतु सक्षम, समर्थ को भी मुफ्त दिया जाए, यह खतरनाक है। वह भी उपभोक्तावादी वस्तुएं।

केंद्र एवं राज्यों को आय के अनुरूप ही कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए खर्च करना है। इस तरह के मुफ्त दान और एक वर्ग को खुश करने के लिए पेंशन आदि बढ़ाई तो उसका असर समूची अर्थव्यवस्था पर होता है और दूसरे समूह भी इसकी मांग करते हैं।? इससे विकास की नीतियां और कार्यक्रम प्रभावित होते हैं तथा व्यवहार में आम लोगों के कल्याणकारी योजनाओं में भी कटौती करनी पड़ती है। तो राजनीतिक दलों के लिए भी लंबे समय तक के लिए यह लाभकारी नहीं हो सकता। लोगों को उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, सामाजिक परिवेश सुरक्षा का वातावरण तथा विकास चाहिए और न होने पर वह किसी पार्टी को सत्ता से हटा सकते हैं। एनटी रामाराव के नेतृत्व में ही तेलुगू देशम पार्टी चुनाव में बुरी तरह पराजय हुई। अकाली दल ने भी पंजाब में लोगों को मुफ्त में काफी कुछ दिया लेकिन यह उसकी सत्ता की स्थाई गारंटी नहीं बन सका। इसके विपरीत गुजरात में भाजपा लगातार 1995 से सत्ता में है। वहां के मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी की मुफ्त घोषणाओं को स्वीकार नहीं किया। ये उदाहरण राजनीतिक दलों के लिए सीख होनी चाहिए।

वास्तव में मुफ्त दान यानी फ्रीबीज़ से विजय चुनाव परिणामों का केवल एक पक्ष है। तात्कालिक वोट की राजनीति के लिए कुछ कदम उठाते वह भी अपने दूरगामी लकवा आदर्श तथा उत्तरदायित्व के प्रति हमेशा सतर्क रहना होगा। हिमाचल या कर्नाटक की पराजय भाजपा के अंदरूनी कलह की परिणति थी। आखिर किसान सम्मान निधि, कोरोना काल से अब तक मुफ्त राशन सहित घोषणा पत्र में स्वयं कई मुफ्त वायदों के बावजूद उसे पराजय मिली तो कारणों की गहराई से समीक्षा करनी चाहिए। अगर शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की तरह राज्य संगठन एवं सरकार अपने लक्ष्यों, विचार एवं योजनाओं के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता परिलक्षित करेंगे तो जनता नकार नहीं सकती। तात्कालिक परिस्थितियों में किन्ही कारणों से पराजय मिली तो फिर से वापसी भी हुई है। कई दूसरे दलों के साथ भी यही लागू होता है। वक्त की जरूरत है कि व्यक्ति अपने संकीर्ण स्वार्थों के बजाय राष्ट्रीय हितों को तरजीह दे। यदि मुफ्त की राजनीति से देश के व्यापक आर्थिक हितों को चोट पहुंचती है तो उससे देश का हर नागरिक प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता।

अल-सल्वाडोर में फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़, 12 की मौत

स्टेडियम के एंट्री गेट के पास भीड़ ने कुचला,100 लोग घायल; 500 को बचाया गया

सल्वाडोर। सेंट्रल अमेरिका के अल सल्वाडोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ मच गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक 100 से ज्यादा लोग घायल हैं, इनमें दो की हालत गंभीर है। 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अल सल्वाडोर में लोकल टीम का मैच था। इसी दौरान यह घटना हुई। मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में एलियांज़ा और सेंटा एना की एफएएस सबसे लोकप्रिय फुटबॉल टीमों में शामिल हैं। इनके मैच को देखने के लिए स्टेडियम के गेट पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। जानकारी के मुताबिक कुछ लोग जबरन स्टेडियम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान भगदड़ मची। अमेरिका की नेशनल सिविल पुलिस ने ट्विटर पर पोस्ट कर 9 लोगों के मरने की पुष्टि की है। सुरक्षा एजेंसी की ओर से कहा गया है कि 2 लोगों की हालत गंभीर है। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया

है। वहीं रेस्क्यू कमांडो कार्लोस फ्यूएंटेस ने कहा कि ÷नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, इनमें सात पुरुष और दो महिलाएं हैं। हमने 500 लोगों को रेस्क्यू किया और 100 से ज्यादा लोगों को अस्पतालों भर्ती किया गया है। उनमें से कुछ गंभीर थे। मैच शुरू होने के लगभग 16 मिनट बाद यह हादसा हुआ, जिसके कारण खेल को रद्द कर दिया गया। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने हादसे के बाद कहा कि इस घटना की पुलिस विस्तृत जांच करेगी। उन्होंने कहा अपराधी जो भी होंगे वे बख्शे नहीं जाएंगे। सल्वाडोर के हेल्थ मिनिस्टर फ्रांसिस्को अलबी ने कहा कि स्टेडियम के बाहर आपातकालीन टीमों को तैनात किया गया है और घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। 2017 में सेनेगल में डकार में फुटबॉल लीग कप के फाइनल मे दौरान स्टेडियम में भगदड़ मचने से 8 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

धोनी को फैन ने गिफ्ट किया चेपॉक स्टेडियम का मिनिएचर-मॉडल

इससे पहले माही ने दर्शकों में बांटी थी जर्सी और टेनिस बॉल

एक फैन ने चेन्नई सुपर किंग्स (छ्स्य्) के कप्तान एमएस धोनी को चेपॉक स्टेडियम का मिनिएचर मॉडल गिफ्ट किया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जहां एक फैन चेपॉक स्टेडियम का एक छोटा मॉडल धोनी को गिफ्ट में देते हुए नजर आ रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है, इस मॉडल को एक टेबल के ऊपर रखा गया है, और धोनी मुस्कुराते हुए इसके पास खड़े होकर इसे देख रहे हैं। धोनी ने अपने उस फैन के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई हैं। इस मॉडल को %मिनिएचर वर्ल्ड मॉडल मेकर्स% नाम के इस्टाग्राम पेज से शेयर किया गया है। बता दें, धोनी की कप्तानी में छ्स्य् चार बार चैंपियन बनी है। धोनी की छ्स्य् इंडियन

प्रीमियर लीग (ढ्ढ्रु) के मौजूदा सीजन में प्लेऑफ में प्रवेश कर चुकी है। टीम ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को उसी के होमग्राउंड पर 77 रनों से हराया। अरुण जेटली मैदान पर चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 223 रन बनाए। जवाब में दिल्ली के बल्लेबाज 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन ही बना सके। इस पहले, धोनी ने 14 मई को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में इस ढ्ढ्रु सीजन के आखिरी लीग स्टेज के मैच के बाद दर्शकों में जर्सी और टेनिस बॉल बांटकर उनका शुक्रिया कहा था। इस दौरान कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने भी अपनी शर्ट पर धोनी का ऑटोग्राफ लिए थे।

बटलर ने दर्ज किया चौंकाने वाला आईपीएल रिकॉर्ड

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के स्टार ओपनर जोस बटलर ने आईपीएल के 2023 सीजन की जोरदार शुरूआत की थी। लेकिन जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ा, उन्हें अपने प्रदर्शन में असंगति का सामना करना पड़ा। बटलर ने एक अवांछित आईपीएल उपलब्धि दर्ज की है। बीती रात पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी लीग मैच में 0 पर आउट होने के बाद, उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा डक (5) का रिकॉर्ड दर्ज किया। हर्शल गिब्स (डेक्कन चार्जर्स, 2009), मिथुन मन्हास (पुणे वारियर्स इंडिया, 2011), मनीष पांडे (सनराइजर्स हैदराबाद, 2012), शिखर धवन (दिल्ली कैपिटल्स, 2020), निकोलस पूरन (सनराइजर्स हैदराबाद, 2021) और इयोन मोर्गन (कोलकाता नाइट राइडर्स, 2021) सभी के नाम एक सीजन में चार आईपीएल डक थे। इंग्लिश व्हाइट-बॉल कप्तान अब नेटिजन्स की आलोचना का सामना कर रहा है। ट्विटर पर एक ने लिखा, आईपीएल 2022 में ऑरेंज

कैप और आईपीएल 2023 में 5 डक. मैं जोस बटलर के लिए आईपीएल 2023 में 5 डक दोहराता हूं। आपकी माफी उतनी ही जोर से होनी चाहिए जितनी आपकी बेइज्जती थी! एक अन्य ने लिखा- जोस बटलर के लिए भयानक मौसम। आरआर को उसे सीएसके के साथ व्यापार करना चाहिए और बेन स्टोक्स को लेना चाहिए। बहुत हो चुका।

आईपीएल में इस बल्लेबाज के नाम दर्ज हुआ अजीबोगरीब रिकार्ड, सोशल मीडिया पर लोग निकाल रहे गुस्सा

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के स्टार ओपनर जोस बटलर ने आईपीएल के 2023 सीजन की जोरदार शुरूआत की थी। लेकिन जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ा, उन्हें अपने प्रदर्शन में असंगति का सामना करना पड़ा। बटलर ने एक अवांछित आईपीएल उपलब्धि दर्ज की है। बीती रात पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी लीग मैच में 0 पर आउट होने के बाद, उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा डक (5) का रिकॉर्ड दर्ज किया। हर्शल गिब्स (डेक्कन चार्जर्स, 2009), मिथुन मन्हास (पुणे वारियर्स इंडिया, 2011), मनीष पांडे (सनराइजर्स हैदराबाद, 2012), शिखर धवन (दिल्ली कैपिटल्स, 2020), निकोलस पूरन (सनराइजर्स हैदराबाद, 2021) और इयोन मोर्गन (कोलकाता नाइट राइडर्स, 2021) सभी के नाम एक सीजन में चार आईपीएल डक थे। इंग्लिश व्हाइट-बॉल कप्तान अब नेटिजन्स की आलोचना का सामना कर रहा है। ट्विटर पर एक ने लिखा, आईपीएल 2022 में ऑरेंज कैप और आईपीएल 2023 में 5 डक. मैं जोस बटलर के लिए आईपीएल 2023 में 5 डक दोहराता हूं। आपकी माफी उतनी ही जोर से होनी चाहिए जितनी आपकी बेइज्जती थी!

एक अन्य ने लिखा-?जोस बटलर के लिए भयानक मौसम। आरआर को उसे सीएसके के साथ व्यापार करना चाहिए और बेन स्टोक्स को लेना चाहिए।

श्रीसंत ने की भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की तारीफ

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए सुपर सैटरडे को दोपहर के मैच में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स शाम के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स की मेजबानी करेगी। एक जीत सीएसके और एलएसजी के लिए प्लेऑफ बर्थ की पुष्टि करेगी जबकि डीसी और केकेआर विपक्षी टीमों के खेल को खराब करने और चीजों को और जटिल बनाने के लिए सामने आएंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच विजयी अर्धशतक बनाने के लिए भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की सराहना की है। शॉ - जिनका आईपीएल 2023 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था - को लगभग एक महीने तक बेंच पर बैठने के बाद मौका मिला। दाएं हाथ के प्रतिभाशाली बल्लेबाज ने धर्मशाला में बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया और टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि मुंबईकर इस सीजन का अंत शानदार तरीके से करेंगे।

रिंकू ने लगाया 110 मीटर लंबा छक्का

लखनऊ सुपरजायंट्स इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन के प्लेऑफ में पहुंच गई है। टीम ने कोलकाता को बेहद रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराया। इस मुकाबले में कई रोमांचक मोमेंट्स देखने को मिले। आखिरी ओवरों में रिंकू सिंह की पारी ने फैंस की धड़कनें थामें रखीं तो कुछ मोमेंट्स में फैंस खिलाड़ियों को कोसते नजर आए। टॉस हारने के बाद लखनऊ की ओर से ओपन करने उतरे क्विंटन डी कॉक को जीवनदान मिला, वो भी कोलकाता के प्लेयर्स की गलती से। दरअसल, हुआ कुछ यूं कि डी कॉक और करण शर्मा लखनऊ की पारी की शुरुआत करने उतरे। दूसरी ओर नीतीश राणा ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को बॉल

थमाई। हर्षित की एक बॉल पर डी कॉक कैच आउट हो गए, लेकिन वे कोलकाता की ओर से अपील नहीं होने के कारण बच गए। यहां बता दें कि अंपायार बिना अपील के किसी बल्लेबाज को आउट नहीं दे सकता है। इतना ही नहीं, डी कॉक दूसरे ओवर में रनआउट होने से भी बच गए।

लखनऊ ने कोलकाता को एक रन से हराया, प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी

कोलकाता। लखनऊ सुपर जायंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2023 के 68वें मुकाबले में एक रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ लखनऊ की टीम प्लेऑफ में क्वालीफाई करने वाली तीसरी टीम बन गई है। इससे पहले गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स क्वालीफाई कर चुके हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निकोलस पूरन के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 176 रन बनाए हैं। लखनऊ के लिए निकोलस पूरन ने 58 रन की पारी खेली। कोलकाता के लिए वैभव, सुनील और शार्दुल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे

ओवर में करण शर्मा तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद डिकॉक और मांकड़ के बीच अच्छी साझेदारी हुई। लेकिन मांकड़ 26 के निजी स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद लगातार अंतराल पर लखनऊ ने विकेट गंवाए। मार्कस स्टॉयनिस बिना खाता खोले आउट हो गए। कप्तान क्रुणाल 9 रन ही बना सके। आयुष बदोनी ने 21 गेंद में 25 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 30 गेंद में 58 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने 5 छक्के और चार चौके लगाए। बता दें आईपीएल 2023 प्लेऑफ में गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम क्वालीफाई कर चुकी है।

प्लेऑफ में चेन्नई की धमाकेदार एंट्री

गायकवाड़-कॉन्वे की तूफानी पारी से दिल्ली को रौंदा

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स ने जैसे ही दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2023 के 67वें लीग मैच में हराया। वैसे ही आईपीएल के 16वें सीजन के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। चेन्नई ने दिल्ली की टीम को इस मैच में 77 रनों से हरा कर प्लेऑफ में धमाकेदार एंट्री की है। इतना ही नहीं, एमएस धोनी की कप्तानी वाली टीम ने लगभग दूसरा स्थान भी प्वाइंट्स टेबल में हासिल कर लिया है, क्योंकि इस स्थान पर रहकर टीम को फाइनल में पहुंचने के दो चांस मिलते हैं। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम

में खेला गया था, जिसमें चेन्नई टीम के ऋतुराज गायकवाड़ और डेवॉन कॉन्वे ने धमाकेदार पारी खेली। चेन्नई की टीम के खाते में अब 17 अंक हो गए हैं। लखनऊ के भी उतने अंक हो सकते हैं, लेकिन लखनऊ को नेट रन रेट के हिसाब से चेन्नई से आगे निकलने के लिए बड़े अंतर से केकेआर को हराना होगा। आईपीएल 2023 का 68वां लीग मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच कोलकाता में खेला जा रहा है। अगर मैच में एलएसजी को नंबर 2 पर पहुंचने के लिए 97 रनों से जीत चाहिए।

फरीदाबाद के दीपेश मोर का एशियन गेम में चयन

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद के दीपेश मोर ने तमिलनाडु में हुई नेशनल वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 461 किलोग्राम का वजन उठाकर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया है। उसने इसी प्रतियोगिता में 3 सिल्वर मेडल भी जीते हैं। दीपेश के बेहतर प्रदर्शन चलते अब उसका सिलेक्शन एशियन गेम के लिए हो गया है, जो चीन में होंगे। फरीदाबाद के सेक्टर 55 में दीपेश मोर के घर आज उन्हें फूल माला और बुके देकर बधाई देने वाले लोगों का ताता लगा रहा। मात्र 17 साल की उम्र में दीपेश ने फरीदाबाद में जिलास्तरीय प्रतियोगिता में तीन

गोल्ड मेडल, राज्यस्तरीय मुकाबलों में हरियाणा में 3 गोल्ड मेडल और पिछले दिनों तमिलनाडु में हुई नेशनल वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 1 गोल्ड मेडल व 3 सिल्वर मेडल हासिल किए हैं। नेशनल में 461 किलो का भार उठाकर अकेले गोल्ड पर कब्जा जमाने वाले दीपेश का सिलेक्शन अब एशियन गेम्स के लिए हो गया है। दीपेश ने बताया कि के परिवार तथा उसकी कोच की बदौलत ही वह इस बुलंदी को हासिल कर सकता है। उसका अगला टारगेट एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल लेना रहेगा। गौरतलब है कि 12 से 17 मई के बीच तमिलनाडु के तनकाशी जिले के कुट्रालम में आयोजित जूनियर व सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में बॉडिवेट गेम व इक्विपमेंट्स पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 1 गोल्ड व 3 सिल्वर मेडल जीते हैं।

आईआईएस के छह एथलीटों ने 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। रांची में 18 मई को 26वीं नेशनल फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के समापन के साथ इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) के छह एथलीटों ने प्रतिष्ठित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। एशियाई चैंपियनशिप बैंकाक में 12 से 16 जुलाई, 2023 तक होगी। प्रिया मोहन 53.40 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पर प्रहार करते हुए 400 मीटर की स्पर्धा में कट बनाने वाली पहली महिला थीं जबकि 20 वर्षीय 2021 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप से अपनी खुद की टाइमिंग को पार नहीं कर सकीं लेकिन टाइमिंग यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त था कि वह योग्यता मानकों को पूरा करें। मोहन के साथ, आईआईएस जम्पर्स ने भी प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण छाप छोड़ी। रुबीना यादव ने 1.80 मीटर की ऊंची कूद के साथ एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन मार्क को तोड़ दिया, ऊंची कूद स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिनय शेट्टी ने 1.76 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में जेसी संदेश ने 2.18 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। दूसरी ओर, एंसी सोजान ने पहले

ही मार्च में भारतीय ग्रांप्री -1 में अपनी छाप छोड़ दी थी, जहां उन्होंने 6.49 मीटर की छलांग लगाई थी। उन्होंने 6.56 मीटर की छलांग लगाकर अपने पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 6.55 मीटर को पीछे छोड़ दिया, महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में एक नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और स्वर्ण पदक जीता। अंत में, कूदने वालों में राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता अब्दुल्ला अबूबकर थे जिन्होंने 16.76 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और ट्रिपल जंप में एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। इसी स्पर्धा में कार्तिक उन्नीकृष्णन ने 16.44 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर रजत पदक जीता। अंत में, यह भाला फेंक इकाई थी जिसने एशियाई चैंपियनशिप के लिए दो स्थान हासिल करते हुए फेडरेशन कप में मंच को रोशन किया। रोहित यादव ने 83.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण जीता, और मनु डीपी ने 82.95 मीटर के थ्रो के साथ रजत जीता, दोनों ने एएफआई द्वारा निर्धारित 78.23 मीटर के एशियाई क्वालिफिकेशन मार्क को क्रमश- श्रृंखला के अपने दूसरे थ्रो में आसानी से पार किया। योग्यता के अलावा, कई अच्छे परिणाम थे। माधवेंद्र सिंह और सचिन बीनू ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 14.01 सेकेंड और 14.23 सेकेंड के समय के साथ क्रमश- रजत और कांस्य पदक जीता। थ्रो स्पर्धाओं में दमनीत सिंह ने हैमर थ्रो में 64.91 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता।

घर का सोफा हो गया है गंदा? तो ऐसे कर लें साफ

आजकल अधिकतर घरों में सोफा सेट रखा जाता है. क्योंकि ये न सिर्फ आरामदायक होते हैं, बल्कि घर का लुक भी बदल डालते हैं. हालांकि जब ये गंदे हो जाते हैं तो इन्हें घर में रखने में शर्म आने लगती है. कुछ लोग सोफे की गंदगी को छिपाने के लिए चादर का इस्तेमाल भी करते हैं. लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आपका सोफा फिर से नया जैसा हो सकता है, वो भी घरेलू चीजों की मदद से, तो शायद आप चौंक जाएंगे. लेकिन यह सच हो सकता है. क्योंकि हमारे पास एक ऐसा नुस्खा है, जिसका इस्तेमाल करके आप अपने सोफे को फिर से नए जैसा बना पाएंगे.आजकल ज्यादातर घरों में फैब्रिक वाले सोफे का इस्तेमाल किया जा रहा है. क्योंकि ये दिखने में काफी सुंदर होते हैं और कमरें को भी अट्रैक्टिव लुक देते हैं. बैठने में भी आरामदायक होते हैं. हालांकि इनकी सफाई करना एक टेढ़ी खीर होता है. अगर आपके पास भी फैब्रिक वाला सोफा है, जिसपर गंदगी जमी हुई है तो चिंता न करें. बस कुछ आसान टिप्स को फॉलो करें.साबुन से बनाएं घोलफैब्रिक वाले सोफे की सफाई के लिए आपको सबसे पहले नहाने वाले साबुन का कम से कम 5 चम्मच चूरा लेना होगा. इसके बाद आपको एक कप में गर्म पानी लेना होगा और उसमें साबुन का चूरन डालना होगा. साबुन का चूरन मिलाने के बाद इसे मिलाकर एक घोल तैयार कर लें. फिर इस घोल में दो चम्मच अनोनिया या फिर सुहागा डालें. ये सब हो जाने के बाद घोल को ठंडा कर लें. फिर इस घोल में स्पंज या किसी कपड़े को डालकर भिगोएं और इससे गंदे सोफे को साफ कर लें।

सेहत से भरपूर

मटके का ठंडा पानी

आधुनिकता अपनाने के चलते हम अपनी ऐसी परम्पराओं को भूलते जा रहे हैं ,जो आज भी प्रासंगिक हैं। मसलन, हमें फ्रिज का पानी पीना बहुत मॉडर्न लगता है, लेकिन याद नहीं रखते कि मटके के पानी में कितने गुण हैं, और यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए खास उपयोगी है। दरअसल मिट्टी में ऐसे तत्व मौजूद रहते हैं, जो स्वास्थ्य रक्षक होते हैं। यही तत्व मिट्टी के बने मटके में आ जाते हैं। मिट्टी के मटकों की दीवारों में असंख्य सूक्ष्म छिद्र होते हैं, जिनसे पानी रिसता रहता है। इस कारण मटके की सतह पर हमेशा गीलापन रहता है। मटके में पानी रखने पर इसका वाष्पीकरण होता है ,जिससे पानी के कण गर्मी के रूप में ऊर्जा प्राप्त करते हैं और फिर गैस में बदल जाते हैं। बाद में ये कण हवा के साथ मिश्रित हो जाते हैं, तथा मटके में फैल जाते हैं, जिससे मटके का पानी ठंडा हो जाता है। मटकों की खासियत है कि ये पीने के लिए ठंडा पानी ही नहीं देते ,बल्कि मिट्टी के गुण भी प्रदान करते हैं। वहीं मिट्टी के बर्तनों में पानी को ठंडा करने की अद्भुत क्षमता होती है। यह विशेषता अन्य किसी भी धातु के पात्र में नहीं होती। इसलिए, मिट्टी के बर्तनों का पानी प्यास बुझाने के लिए आज भी बेहतर जाना जाता है। पीढ़ियों से भारतीय घरों में पानी स्टोर करने के लिए मिट्टी के बर्तन यानी मटकों का पानी इस्तेमाल किया जाता रहा है । मिट्टी की भीनी-भीनी खुशबू के कारण गर्मियों में मटके का ठंडा पानी पीने का आनंद और तृप्ति अलग ही है। विशेषज्ञों के अनुसार, मिट्टी में कई प्रकार के रोगों से लड़ने की क्षमता पाई जाती है। मिट्टी के बर्तनों में रखे पानी में मिट्टी के गुण स्वतः ही आ जाते हैं जिसके चलते मटके में रखा पानी हमें निरोग रखने में मदद करता है। इसके अलावा मटके को रंगने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला गेरू भी हमारे शरीर को गर्मी में शीतलता प्रदान करता है।

मिट्टी में अनेक प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिजों, धातुओं, रसायनों, तत्वों तथा रसों की मौजूदगी होती है। ये ही सारे गुण मटके में भी विद्यमान होते हैं। ऐसे में मटके के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में मौजूद जहरीले पदार्थ बाहर चले जाते हैं। मिट्टी में कुदरती रूप से शरीर में जमा टॉक्सिंस खींच लेने की ताकत होती है। इसलिए, पेट में जमा और सड़े भोजन को मटके का पानी शरीर से बाहर कर आंतों की सफाई भी करता है। मटके का पानी शरीर की गर्मी कम कर कुदरती ठंडक पहुंचाता है। कहा जाता है कि मिट्टी की चुंबकीय शक्ति शरीर को चुस्ती-फुर्ती तथा ताकत देती है। शरीर को उचित पीएच संतुलन प्रदान करके एसिडिटी तथा पेट दर्द में राहत पहुंचाने का काम भी मटके का पानी करता है। वहीं मटके का पानी लकवे तथा दमे के रोगी के लिए भी फायदेमंद है। इससे हार्ट भी हेल्दी रहता है। जबकि यदि हम फ्रिज का पानी पीते हैं तो यह ज्यादा ठंडा होने के कारण गले की कोशिकाओं पर बुरा प्रभाव डालता है। गले की ग्रंथियों में सूजन आने लगती है, जिससे शरीर की क्रियाएं बिगड़ने लगती हैं। लेकिन मटके में पानी सही तापमान पर रहता है। न बहुत अधिक ठंडा न ज्यादा गर्म। यह भी कि मटके का पानी शरीर में ग्लूकोज को बनाए रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्वों और विटामिनों को उपलब्ध करवाकर हमें गर्मी के स्ट्रोक से बचाता है। जीवन के सभी क्षेत्रों में पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का उपयोग करना अच्छी पहल है। कई लोग प्लास्टिक की बोतलों में पानी रखते या स्टोर करते हैं ,जिससे जाने-अनजाने में हम कई हानिकारक रसायनों की गिरफ्त में आ जाते हैं, जबकि मिट्टी के बर्तनों को साफ-सुथरा रखकर कई वर्षों तक इस्तेमाल में लाया जा सकता है। ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। जबकि प्लास्टिक की बोतलों का केवल एक बार इस्तेमाल किया जा सकता है और ये पर्यावरण को बिगाड़ती हैं। मिट्टी के बर्तन प्लास्टिक की बोतलों की अपेक्षा सस्ते भी साबित होते हैं। आजकल मटकों पर कलात्मकता और कारीगरी दिखाई देने लगी है जिससे हम पुरातन संस्कृति से परिचित होते हैं। जयपुर के कारीगरों ने मटकों के नए आकार बनाए हैं ,जिनमें लंबे तथा अंडाकार घड़े प्रमुख हैं। नल लगे मटकों में रंगीन पेंटिंग भी दिखाई देने लगी हैं। जयपुरी सुराही भी बहुत ही कलात्मक डिजाइनों में बनने लगी है। मटके बनाने के कुटीर उद्योग से लाखों कुम्हारों को रोजगार भी उपलब्ध होता है।

कुदरत के रौद्र की चोट से उपजा टोंगा विस्फोट

प्रशांत महासागर में टोंगा के पास पानी के भीतर ज्वालामुखी फटने की घटना के करीब डेढ़ साल बाद भी वैज्ञानिक इस प्रचंड विस्फोट के प्रभावों का विश्लेषण कर रहे हैं। विस्तृत जांच के बाद उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि यह विस्फोट रूस और अमेरिका में अब तक हुए सबसे बड़े परमाणु विस्फोटों से भी अधिक शक्तिशाली था। दक्षिण प्रशांत में टोंगा के जलगत हंगा टोंगा-हंगा हापाई ज्वालामुखी ने 20,000 ओलिंपिक स्विमिंग पूलों जितना पानी पृथ्वी के समताप मंडल (स्ट्रेटोस्फियर) में फेंका था। इसने 7.4 तीव्रता का भूकंप भी उत्पन्न किया। इससे निकली सुनामी लहरें रूस, अमेरिका और चिली तक महसूस की गई थीं।

मियामी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने टोंगा द्वीप समूह से टकराने वाली विशाल सुनामी का अनुकरण करने के लिए उपग्रह और समुद्र के नीचे के डेटा का उपयोग किया। इस अध्ययन से पता चला कि यह विस्फोट एक सदी से भी अधिक समय में सबसे बड़ा प्राकृतिक विस्फोट था। इसकी टक्कर का विस्फोट 1883 में इंडोनेशिया के क्राकाटाऊ ज्वालामुखी में हुआ था जिसमें 36,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। ध्यान रहे कि टोंगा के मुख्य द्वीप से लगभग 65 किमी दूर दक्षिणी प्रशांत महासागर में 15 जनवरी 2022 को हंगा टोंगा-हंगा हापाई ज्वालामुखी में भयानक विस्फोट हुआ था। इसने राख का बड़ा बादल छोड़ा जो 57 किलो मीटर ऊंचा था। कहा जाता है कि इस विस्फोट से रूस के जार बॉम्बा से अधिक ऊर्जा निकली थी जो अब तक का सबसे शक्तिशाली परमाणु बम विस्फोट माना जाता है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि विस्फोट की ताकत और भयंकर सुनामी के बावजूद टोंगा द्वीप समूह में केवल चार और पेरू में दो मौतें दर्ज की गईं।

शोधकर्ताओं ने इन विस्फोटों के समुद्र पर पड़ने वाले प्रभाव का अनुकरण करने के लिए पहले और बाद में लिए गए उपग्रह चित्रों, ड्रोन चित्रों, क्षेत्र अवलोकनों और समुद्र तल के डेटा का उपयोग किया। इस अनुकरण से पता चला कि कि टोफुआ द्वीप ने 30 मीटर से अधिक ऊंची लहरों का सामना किया होगा। चूंकि यह निर्जन टापू है, इसलिए वहां जानमाल की हानि नहीं हुई। दूसरी तरफ, टोंगा की राजधानी और सबसे बड़े शहर नुकुआलोफा ने केवल 17 मीटर तक की लहरों का अनुभव किया, जबकि यह विस्फोट स्थल के दक्षिण में सिर्फ 64 किमी दूर है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि टोफुआ और टोंगाटापू द्वीपों द्वारा महसूस की गई लहरों के आकार में अंतर आंशिक रूप से उनके भूगोल के कारण है। टोफुआ गहरे पानी में स्थित है जबकि टोंगाटापू उथले पानी से घिरा हुआ है। यह उथला समुद्र एक तरह से लहर जाल के रूप में काम करता है, क्योंकि यह विस्थापित करने के लिए कम पानी प्रदान करता है। शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि कोविड महामारी के कारण पर्यटकों की संख्या में कमी से भी हताहतों की संख्या कम रही। साइंस एडवांसेज में प्रकाशित इस अध्ययन के प्रथम लेखक डॉ.सेम पुरकिस ने कहा कि भले ही 2022 में टोंगा एक बड़ी तबाही से बच गया हो लेकिन दूसरे जलगत ज्वालामुखियों में भविष्य में सुनामी पैदा करने की क्षमता है। टोंगा विस्फोट भविष्य की सुनामी के लिए महत्वपूर्ण सबक रखता है। यह विस्फोट उन मॉडलों का परीक्षण करने के लिए एक उत्कृष्ट प्राकृतिक प्रयोगशाला थी जिन्हें भविष्य में आपदा की तैयारी में सुधार के लिए कहीं और तैनात किया जा सकता है।

कुछ समय पहले वैज्ञानिकों के अन्य दल ने पता लगाया था कि टोंगा विस्फोट के प्रभावों से हमारा ग्रह गर्म हो सकता है। उन्होंने हिसाब लगाया कि 'हंगा टोंगा-हंगा हापाइ' ज्वालामुखी के विस्फोट से भारी मात्रा में राख और ज्वालामुखीय गैसों के बाहर आने के अलावा वायुमंडल में 4.5 करोड़ मीट्रिक टन जल वाष्प भी फैली। वाष्प की इस विशाल मात्रा ने वायुमंडल की दूसरी परत, स्ट्रेटोस्फियर में नमी की मात्रा में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि कर दी। पृथ्वी से 10 से 50 किलोमीटर ऊपर वायुमंडल की परत स्ट्रेटोस्फियर कहलाती है जिसे समताप मंडल भी कहा जाता है। जल वाष्प फैलने से स्ट्रेटोस्फियर के ठंडा होने और सतह के गर्म होने के चक्र की शुरुआत हो सकती है और ये प्रभाव आने वाले महीनों तक बने रह सकते हैं। अमेरिका के नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार विस्फोट 260 किलोमीटर तक फैला और इसने राख, भाप और गैस के 'स्तंभों' को हवा में 20 किलोमीटर ऊपर भेज दिया। बड़े ज्वालामुखी विस्फोट आमतौर पर हमारे ग्रह को ठंडा करते हैं। इन विस्फोटों से निकलने वाली सल्फर डाइऑक्साइड पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परतों में पहुंच कर सौर विकिरण को अवरुद्ध करती है जिससे ग्रह का तापमान कम होने लगता है। अमेरिका के नेशनल साइंस फाउंडेशन के अनुसार विस्फोट से निकले चट्टान और राख के कण भी सूर्य के प्रकाश को रोककर ग्रह को अस्थायी रूप से ठंडा कर सकते हैं। इस तरह पृथ्वी के अतीत में भी व्यापक और उग्र ज्वालामुखीय गतिविधि ने दुनिया में जलवायु परिवर्तन में योगदान दिया होगा। लाखों साल पहले बड़े पैमाने पर जीव-जंतुओं के विलुप्त होने की शुरुआत इन्हीं जलवायु परिवर्तनों के चलते हुई होगी।

हाल के विस्फोटों ने ग्रह को ठंडा करने की ज्वालामुखियों की ताकत का भी प्रदर्शन किया है। साल 1991 में फिलीपींस में माउंट पिनाटुबो ने अपना शीर्ष उड़ा दिया था। इस शक्तिशाली ज्वालामुखी विस्फोट से निकले एरोसोल कणों ने कम से कम एक वर्ष के लिए विश्व के तापमान को लगभग 0.5 डिग्री सेल्सियस कम कर दिया था। टोंगा विस्फोट ने लगभग 400,000 मीट्रिक टन सल्फर डाइऑक्साइड छोड़ी जो 1991 के विस्फोट के दौरान माउंट पिनाटुबो द्वारा छोड़ी गई गैस की मात्रा का लगभग 2 प्रतिशत थी। लेकिन पिनाटुबो और जमीन पर होने वाले बड़े ज्वालामुखी विस्फोटों के विपरीत टोंगा के समुद्र के भीतर हुए ज्वालामुखी विस्फोट ने स्ट्रेटोस्फियर में भारी मात्रा में पानी भेजा। पानी के भीतर ज्वालामुखियों के विस्फोट पानी और गर्म मैग्मा की अंत-क्रिया से अपनी विस्फोटक ऊर्जा प्राप्त करते हैं। इससे भारी मात्रा में जल वाष्प स्तंभों के रूप में बाहर निकलती है।

साइंस पत्रिका में प्रकाशित नए अध्ययन के अनुसार टोंगा विस्फोट के 24 घंटों के भीतर भाप के खंबे वायुमंडल में 28 किलोमीटर ऊपर तक फैल गए। रिसर्चरों ने रेडियोसोंड नामक उपकरणों द्वारा एकत्रित आंकड़ों का मूल्यांकन करके इन खंबों में पानी की मात्रा का विश्लेषण किया। ये उपकरण मौसम के गुब्बारों से जुड़े थे और इन्हें ज्वालामुखीय धुएं में भेजा गया था। जैसे ही ये उपकरण वायुमंडल से गुजरते हैं, उनके सेंसर तापमान, वायु दाब और सापेक्ष आर्द्रता को मापते हैं। इस डेटा को जमीन पर एक रिसीवर तक पहुंचाया जाता है। वायुमंडलीय जल वाष्प सौर विकिरण को अवशोषित करता है और इसे गर्मी के रूप में पुन- उत्सर्जित करता है। टोंगा की लाखों टन नमी अब स्ट्रेटोस्फियर में बह रही है। इससे अवश्य ही पृथ्वी की सतह गर्म हो रही होगी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि सतह कितनी गर्म होगी। चूंकि वाष्प अन्य ज्वालामुखीय एरोसोल कणों की तुलना में हल्की होती है और गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव से कम प्रभावित होती है,इसलिए इस वार्मिंग प्रभाव के घटने में अधिक समय लगेगा और आने वाले महीनों में सतह का गर्म होना जारी रह सकता है।

छोटे संकल्पों से साधें बड़े लक्ष्य

हम फिर एक नये वर्ष के संकल्प के साथ हाजिर हैं। सवाल यह है कि इसे सार्थक कैसे करें। देखने में आता है कि हम बड़े-बड़े संकल्प लेते हैं लेकिन हमारे ये संकल्प कुछ ही दिनों में बिखर जाते हैं। लेकिन हमारी कोशिश होनी चाहिए कि संकल्प साल भर चलें। यह अंग्रेजी नववर्ष है। हम भारतवासी सदैव वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा में विश्वास रखते हैं। कोई भी त्योहार हो उसकी तैयारी में फिर पूरा भारत जुट जाता है। यही वजह है कि पूरे विश्व में हमें सम्मान मिलता है। देखने में आता है कि हर नववर्ष में हम लंबा लक्ष्य रखते हैं। इसके लिये जरूरी है कि इसकी पूरी तैयारी हो। हमारी क्षमता के बाद तैयारी संभव होती है। ऐसे में तैयारी के बाद साल के 365 दिन के लक्ष्य तैयार करने की बजाय हमें छोटे-छोटे लक्ष्य तैयार करने चाहिए। पंद्रह दिन या एक महीने का लक्ष्य बनाया जा सकता है। पहले लक्ष्य के लिये तैयारी करें। फिर नया लक्ष्य तय करें। ताकि इससे मन उत्साहित रहे। हमारे बचपन में माता-पिता हमें छोटे-छोटे लक्ष्य देते हैं। मासिक परीक्षा के लिये हमें प्रस्ताव मिलता है कि ये छोटा लक्ष्य पूरा कर दोगे तो शाम को घुमाने जाएंगे। फिर हम छोटे-छोटे उपहार के लिये लगन से काम करते हैं।

एक बार फिर दुनिया और हमारे पड़ोस में कोरोना संकट ने दस्तक दी है। ऐसे में नये साल के स्वास्थ्य के संकल्प लें। वैसे तो हम यह संकट 2020 से देख रहे हैं। शरीर को स्वस्थ रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। शरीर स्वस्थ हो तो सारे काम आसानी से हो जाते हैं। शरीर का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। ये हासिल करना धन हासिल करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। फिर सारे काम आसानी से हो जाते हैं। इसके लिये जरूरी है कि हम अपनी इम्युनिटी को बढ़ाएं। अपने खानपान नियंत्रित करें। स्वच्छता के नियमों का पालन करें। समाज में सुरक्षित शारीरिक दूरी बनाये रखने का पालन करें। इसकी हमें पहले से ही तैयारी करनी चाहिए। सरकार के किसी निर्देश की प्रतीक्षा न करें। अपना खानपान व जीवन शैली हाल के दिनों में प्रदूषित हुए हैं। इसमें योग महत्वपूर्ण साधन है। योग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसे एक बार सीखने के बाद दोबारा नहीं सीखना पड़ता। ये पूरे जीवन भर साथ रहता है। यह कोई वस्तु नहीं जो बार-बार खरीदनी पड़े।

एक बार सीख लेते हैं तो फिर उस पर कोई खर्च नहीं करना पड़ता। कुछ चीजें जिन्हें हमें अपनाना है। जैसे सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना फिर प्राणायाम में अनुलोम-विलोम व कपालभाति, खंड प्राणायाम, सिद्धा वाक तकनीक व हिमालय प्रणाम जैसा अभ्यास करना। यदि हम अपने शरीर के रक्त संचालन को समझ जाएं तो हम अपनी इम्युनिटी बढ़ा सकते हैं और शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। इससे हम इम्युनिटी बढ़ाकर स्वस्थ रह सकते हैं। हालांकि समाज में एक वर्ग है जो इस प्राकृतिक विज्ञान को आम आदमी को नहीं समझाना चाहता। दरअसल हमारा प्रसन्न होना एक बड़ा गुण है। हमें बच्चों को समझाना चाहिए कि यदि वे प्रसन्न रहेंगे तो आगे बढ़ सकते हैं। हम इति पर निर्भर रहते हैं और परेशान रहते हैं। आज इसको लेकर समस्या आ रही है। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि प्रकृति ने हमारे जीवन के लिये सभी जरूरी चीजें सुलभ कराई हैं व मुफ्त दी हैं। उसके लिये हमें कोई खर्च नहीं करना होता है। योग सबसे बड़ा प्राकृतिक उपाय है। अब चाहे विकसित देश हों या विकासशील देश- सब योग की महिमा को स्वीकार रहे हैं। योग एक प्रभावशाली उपाय है। विश्वविद्यालय में इसे पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जा रहा है। हिमालय बता देता है कि रक्त का संचार बढ़ाना ही योग है। हम रक्त के प्रवाह को संचालित करके स्वस्थ रह सकते हैं। वास्तव में प्रसन्नता भीतरी स्रोत से आती है। पहले इसे बाहर से आरंभ बाहर करते हैं और फिर अंदर से अनुभव करते हैं। बाहरी अनुभव हमें लेकर अंदर जाता है। हम देखते हैं कि बुजुर्गों के जीवन व्यवहार में गहरापन होता

तीसरे नेत्र से बैंकिंग, अब शोध को आतुर

दोनों नेत्रों की दृष्टिबाधिता के बावजूद धनी राम चमोली आज एक राष्ट्रीयकृत बैंक में सीनियर मैनेजर हैं। पढ़ने-लिखने का जुनून इस हद तक कि वे दो विषयों में स्नातकोत्तर हैं। कुछ डिप्लोमा हैं। महत्वपूर्ण बात यह कि उच्च शिक्षा में शिक्षक पात्रता के लिये जरूरी यूजीसी नेट परीक्षा वे दो विषयों में उत्तीर्ण कर चुके हैं। अब मकसद है कि हिंदी साहित्य में शोध कर आने वाली पीढ़ियों के लिये कुछ खास कर जाएं। धनी राम चमोली की जीवन यात्रा एक जुलाई 1972 से शुरू होती है। उन्होंने ग्राम पलाम जिला टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड में पंडिताई करने वाले गोपाल दत्त के घर जन्म लिया। शुरुआत में आंख में कुछ रोशनी थी। धनी राम ने शुरुआती पढ़ाई गांव में की। कालांतर दोनों आंखों की दृष्टि जाती रही। फिर सामान्य स्कूल में पढ़ना संभव नहीं था। अत- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर विजुअली हैंडीकेप, देहरादून में दाखिला लिया। कालांतर वर्ष 1990 में मैट्रिक किया। इस बीच राष्ट्रीय दृष्टिबाधिता संस्थान देहरादून से शार्टहैंड का डिप्लोमा किया और नौकरी के लिये प्रयास शुरू किये। अगले ही साल वर्ष 1991 में पंजाब नेशनल बैंक में स्टेनोग्राफर की नौकरी मिली। पहली पोस्टिंग चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित पीएनबी के रीजनल ऑफिस में मिली। नये जीवन की शुरुआत आसान न थी। चंडीगढ़ में दोस्त-मित्र ढूंढे। कुछ दिन रिश्तेदारों के यहां रहे। लेकिन धनी राम का मकसद किसी के साथ रहना न था। मकसद था तो सिर्फ आगे पढ़ाई करना। फिर 1992 में पत्राचार से सीबीएसई, तिमारपुर दिल्ली से पत्राचार के जरिये इंटरमीडिएट किया। इसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से 1992 में बीए प्रथम वर्ष इवनिंग कालेज के जरिये किया। पढ़ाई में बाधा न आए इसलिये हॉस्टल में रहकर पढ़ाई की। लेकिन यह आसान नहीं था क्योंकि दिव्यांगों के अनुरूप रहने आदि की व्यवस्थाएं अलग से नहीं थी। हॉस्टल का ढांचा-बाथरूम आदि नार्मल लोगों के अनुरूप था। एडजस्ट किया। अनुकूल परिस्थितियां न होना एक सामाजिक समस्या तो है। घर का खाना बाहर कहां मिलता है, मैं खाना हॉस्टल में खाता। मेरा मकसद सिर्फ पढ़ाई ही था। पढ़ाई में आगे बढ़ने को वे जीवन का पटरी पर आना मानते रहे। वे कहते हैं कि चिराग की रोशनी का मुकाबला चिराग से ही होता है। उसका दूसरा विकल्प नहीं है। वे बताते हैं, मैं दिन में दस से पांच आफिस में ड्यूटी करता था। फिर पांच बजकर चालीस मिनट से नौ बजे तक क्लास अटैंड करता था। दफ्तर में भी काम करना पड़ता था। शरीर इतना थक जाता था कि सोते वक्त ऐसा लगता था कि जैसे किसी ने कुटाई की हो। इस तरह वर्ष 1995 में बी.ए. किया। वर्ष 1997 में एमए राजनीतिक विज्ञान से किया। उस वक्त यूजीसी के लिये 55 प्रतिशत अंक जरूरी थे। नंबर कम आने पर दोस्तों ने सलाह दी कि सुधार के लिये परीक्षा देने से बेहतर है कि

दूसरी एम.ए कर ली जाये। फिर मैंने हिंदी में एम.ए. करने का विचार बनाया। विडंबना यह थी कि इवनिंग क्लास में एम.ए. हिंदी विषय नहीं था। अत- एम.ए. हिंदी प्राइवेट किया और 55 प्रतिशत नंबर आये। फिर राजनीतिक विज्ञान विषय में अंक सुधारने के लिये गोल्डन चांस पंजाब विश्वविद्यालय ने वर्ष 2011 में दिया। सौभाग्य से तब 70 नंबर बढ़े। कालांतर सरकार का नया नियम आया कि एससी, एसटी तथा विजुअली डिसएबल कम प्रतिशत में यूजीसी नेट परीक्षा दे सकते हैं। कालांतर धनी राम ने बैंक में अधिकारी बनने के लिये पेपर भी दिये। फिर सीएआईआई-बी की परीक्षा पास। वे वर्ष 2012 में स्टेनोग्राफर से अधिकारी बने। फिर वर्ष 2015 में मैनेजर बने। वर्ष 2019 में पहली यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। फिर पीएनबी में सीनियर मैनेजर बने। साल 2023 में हिंदी में नेट क्वालीफाई किया। नेट परीक्षा के लिये पाठ्य सामग्री कैसे जुटाते थे? वे कहते हैं कुछ मेटर रिकार्डिंग से, कुछ इंटरनेट से, ऑडियो और ब्रेल लिपि में उपलब्ध किताबों के जरिये। काफी पैसा, समय और ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है। हमारी समस्या बड़ी है क्योंकि हम न नॉमर्ल पढ़ सकते थे और न लिख सकते थे। राइटर के लिये अनुमति लेनी पड़ती तो तमाम गाइड लाइंस पूरी करने की जरूरत होती। आज धीरे-धीरे धनी राम की जिंदगी पटरी पर आने लगी। पुरुषार्थ से उन्होंने नौकरी हासिल की, खूब ज्ञान हासिल किया। कालांतर गढ़वाल से सामान्य युवती सुशीला से विवाह किया। आज एक बेटा-बेटी हैं। बेटी ने अर्थशास्त्र से एमए कर लिया है। बेटा शुभम् बारहवीं में गया है। चंडीगढ़ जैसे महंगे शहर में उन्होंने अपना मकान बना लिया है। यह पूछने पर कि वे बैंक में सीनियर मैनेजर हैं फिर पीएचडी करने की क्या जरूरत है? उनका कहना था कि मुझे निरंतर पढ़ने-लिखने का शौक है। चाहता हूं कि कुछ नई चीज निकले। मैं शोध के जरिये समाज को कुछ दे सकूं। जैसे हमारे बाप-दादा चले गये, हम भी चले जाएंगे। बाप-दादा यदि आम का पेड़ लगाते हैं तो हम आम खा सकते हैं। मैं बगीचा न लगा सकूं तो आने वाली पीढ़ी के लिये पेड़ तो लगा सकता हूं। उत्तराखंड के साहित्यकारों पर शोध करना चाहता हूं। वहां का जो बिखरा साहित्य है वो एक जगह हो जाये। उनके काम से नई पीढ़ी रूबरू हो सके। वैसे शिक्षा के धनी धनी राम एक और विषय में एम.ए करना चाहते हैं। आपने अपनी कमजोरी को ताकत बनाया है, कितना संतुष्ट हैं? इस स्थिति को अपना प्रारब्ध मानता हूं। लेकिन सही मायनों में अपनी कमी को ताकत नहीं बना पाया। जितना चाह रहा था, वो मेरी उपलब्धियों के अनुरूप नहीं है। जितने मौके मिले उनका लाभ नहीं उठा सका। निस्संदेह मेरी कुछ सीमाएं हैं। कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हुई। यह महत्वपूर्ण है कि धनी राम अध्ययनशील रहे जबकि आम लोग अच्छी नौकरी पाने के बाद आरामतलब हो जाते हैं। लेकिन उन्होंने तमाम चुनौतियों के बावजूद ये मुकाम हासिल किया। वे कहते हैं कि पढ़ाई मेरी खुराक है। कार में अपने चालक महेशचंद्र के साथ चलता हूं तो हर समय मेरे बैग में पांच-छह ब्रेल लिपि की किताबें मिलेंगी। कुछ न कुछ पढ़ता रहता हूं। खासकर मुझे वैदिक साहित्य पढ़ना अच्छा लगता है। धनी राम का कहना है कि सरकार को प्रयास करना चाहिए कि दिव्यांगों के लिये विशेष बीमा पॉलिसी लाये। बीमा कंपनियां उन्हें बीमे का पर्याप्त लाभ नहीं देती। यदि अच्छी पॉलिसी आए तो दिव्यांगों के भविष्य को लेकर अभिभावकों की चिंताएं खत्म हो सकेंगी। वे कहते हैं कि आज भी यदि सरकार मेरी कहीं सेवा लेना चाहती है तो मैं निस्स्वार्थ खुशी से तैयार रहूंगा। प्रधानमंत्री मोदी जी समाज के लिये अच्छा काम कर रहे हैं। समाज और देश के लिये बिना किसी लाभ की आशा के काम करने का अवसर मिलेगा तो मेरा सौभाग्य होगा।

द केरला स्टोरी के निर्माता ने दान किए 51 लाख रुपये

ब्रिटेन में द केरला स्टोरी की रिलीज के बाद फिल्म की टीम ने फिल्म की सफलता का जश्न मनाने के लिए मीडिया को संबोधित किया। इसके निर्माताओं के अनुसार, फिल्म आज भारत में 190 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकती है। द केरला स्टोरी को कुछ राजनीतिक दलों और समूहों का विरोध भी करना पड़ रहा है, जिन्होंने दावा किया है कि फिल्म तथ्यों पर आधारित नहीं है और मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाती है।पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में द केरल स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है और तमिलनाडु में प्रदर्शकों ने इसे सिनेमाघरों से वापस ले लिया है, लेकिन फिल्म अभी भी व्यावसायिक रूप से सफल रही है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में, फिल्म निर्माता, विपुल अमृतलाल शाह ने दावा किया कि सच्चाई को उजागर करना सर्वोपरि था।लोग यह दावा करने की कोशिश कर रहे हैं कि यह फिल्म नकली है, निर्माता झूठ बोल रहे हैं और फिल्म गंदी है, जो ऐसा नहीं है। शाह ने कहा कि फिल्म सिर्फ तीन लड़कियों की कहानी से बड़ी है।शाह ने इस अवसर आर्ष विद्या समाज आश्रम को 51 लाख रुपये का दान करने की घोषणा की, जो धर्म परिवर्तन से बचे लोगों की देखभाल करता है। निर्माताओं ने फिल्म के कलाकारों के साथ मीडिया से बातचीत करने के लिए आश्रम की 26 लड़कियों को भी आमंत्रित किया।गौरतलब है कि द केरल स्टोरी राज्य की महिलाओं के एक समूह की कहानी है, जो इस्लाम में परिवर्तित हो जाती हैं और जिहादी समूह आईएसआईएस में शामिल हो जाती हैं।

नीतू कपूर ने 4 बीएचके फ्लैट खरीदा

दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर को आखिरी बार थिएटर फिल्म जुगजग जीयो में देखा गया था। वह अब मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में स्थित एक आलीशान संपत्ति की मालकिन बन गई हैं। नीतू का नया फ्लैट सनटेक रियल्टी के सिग्निया आइल की 7वीं मंजिल पर स्थित है, और इसका निर्माण क्षेत्र 3,387 वर्ग फुट है। 4 बीएचके फ्लैट मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में है। हाउसिंग डॉट कॉम के अनुसार, संपत्ति की कीमत 17.4 करोड़ रुपये है और इसे 10 मई 2023 को पंजीकृत किया गया था।लेनदेन के लिए 1.04 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया था। यह केवल कृष्ण नोहरिया से खरीदी गई पुनर्विक्रय खरीद है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में नीतू कपूर बांद्रा के पाली हिल में कृष्णा राज बंगले में रहती हैं, जिसे वह दिवंगत पति ऋषि कपूर के साथ साझा करती थीं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले महीने नीतू की बहू आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस

ने बांद्रा के पाली हिल में 37.80 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीदा था।

सगाई के दौरान फूट-फूट कर रोए परिणीति के पिता

तस्वीर हो रही वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने अपनी सगाई की कई अनदेखी तस्वीरे शेयर की, जिसमें उनके पिता भावुक होते हुए और आंसू पोंछते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में, परिणीति ने सिर पर दुपट्टा रखा हुआ है और अरदास के लिए हाथ जोड़े हुए हैं।एक तस्वीर में परिणीति के पीछे बैठे उनके पिता पवन चोपड़ा अपने आंसू पोंछते नजर आ रहे हैं।परिणीति ने कैप्शन दिया- अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी हरप्रीत सिंह जी का आशीर्वाद मिला, बहुत अच्छा महसूस हुआ। हमारी सगाई में उनकी मौजूदगी हमारे लिए बहुत मायने रखती है।एक्ट्रेस ने 13 मई को नई दिल्ली में आप नेता राघव से सगाई की, जिसमें प्रियंका चोपड़ा जोनस और कुछ प्रसिद्ध राजनेताओं ने भाग लिया।

पुष्पा 3 की योजना बना रहे निर्माता

आएगा जबरदस्त ट्विस्ट- रिपोर्ट

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा की जबरदस्त दीवानगी देखने को मिली थी। अब प्रशंसक बेसब्री से फिल्म के सीच्ल का इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ही पुष्पा 2 से अल्लू अर्जुन का लुक भी जारी किया गया था। फिल्म का टीजर देखकर प्रशंसक उत्साहित हो गए थे। अब प्रशंसकों को खुश करने वाली एक और खबर सामने आई है। चर्चा है कि फिल्म निर्माता फिल्म का तीसरा भाग भी लाने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता फिल्म के तीसरे भाग की योजना बना रहे हैं और इसका नाम पुष्पा- द रूल बिगिन्स होगा। खबरों की मानें तो तीसरे भाग में फिल्म में जबरदस्त ट्विस्ट आएगा और इसमें अंतरराष्ट्रीय ऐंगल भी शामिल हो जाएगा। तीसरे भाग में पुष्पा एक खूंखार डॉन बन चुका होगा। पिछले साल फहद फासिल ने भी फिल्म की तीसरी किश्त की ओर इशारा किया था। उन्होंने कहा था कि निर्देशक सुकुमार के पास पर्याप्त

कंटेंट है। हाल ही में जारी हुआ पुष्पा 2 का टीजरफिलहाल दर्शक पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले जारी हुए टीजर में देखा गया था कि पुष्पा तिरुपति जेल से फरार हो जाता है, जिसके बाद पुलिस से लेकर मीडिया तक, हर कहीं बस एक ही सवाल है कि आखिर पुष्पा है कहां? इसी बीच एक पल के लिए सबकुछ थम जाता है, जब अचानक पुष्पा को जंगल में देखा जाता है और उसकी एंट्री से चीता भी भाग खड़ा होता है। ऐसी होगी पुष्पा 2पुष्पा-2 की बात करें तो एसपी शेखावत की पुष्पा से दुश्मनी दूसरे भाग में भी जारी रहेगी। शेखावत का किरदार अभिनेता फहद फासिल ने निभाया था। रश्मिका मंदाना, श्रीवल्ली का किरदार निभाती दिखेंगी। फिल्म में कई और नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। फिल्म का बजट 400 करोड़ रुपये तय किया गया है। पुष्पा 2 में अभिनेता सज्जाद डेलाफरूज, अल्लू के साथ दो-दो हाथ करते दिखेंगे। फिल्म में राम चरण भी मेहमान भूमिका में नजर आ सकते हैं। 2021 में आई थी पुष्पापुष्पा-द राइज दिसंबर, 2021 में रिलीज हुई थी। इसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में थे। 2021 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी थी और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्मों में भी इसका नाम शामिल हुआ। 170 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। पुष्पा ने सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं, विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी धमाल मचाया था।

भोला के बाद पूरा यूनिवर्स लाने की तैयारी में अजय देवगन

अजय देवगन अपनी फिल्म भोला को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। ट्रेलर में अभिनेता के एक्शन अवतार की झलक मिलने के बाद से ही प्रशंसक काफी उत्सुक हैं। तमिल फिल्म कैथी की हिंदी रीमेक भोला में अभिनेता के अभिनय ही नहीं, निर्देशन की भी तारीफ हो रही है। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी कैथी ने एक अलग सिनेमेटिक यूनिवर्स की नींव रखी थी। ऐसे में अब अजय ने भी भोला के सिनेमेटिक यूनिवर्स पर बात की है। कैथी के यूनिवर्स की शुरुआत लोकेश की विक्रम के साथ हुई, जिसमें कमल हासन, विजय सेतुपति और फहाद फाजिल शामिल थे। फिल्म ने दुनिया भर में 400 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था और ऐसे में दर्शकों को भोला यूनिवर्स आने की उम्मीद थी।अजय ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि भोला के साथ एक यूनिवर्स की शुरुआत होने वाली है। अभिनेता ने कहा, कैथी विक्रम के यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें विक्रम (1986) और विक्रम (2022) शामिल हैं। भोला एक ऐसे नोट पर खत्म होगी, जहां आपको लगेगा कि इसका दूसरा पार्ट भी होगा। उन्होंने कहा, यह दूसरा पार्ट विक्रम या उसके जैसा नहीं होगा क्योंकि हम अलग तरह के नए किरदार लाएंगे।भोला दुनियाभर में 3डी, आईमैक्स और 4डीएक्स में रिलीज होने वाली है। अजय ने फिल्म के बारे में कहा, यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई गई है, जिसमें भरपूर एक्शन है। हमने जो वातावरण और परिवेश बनाया है, वो कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं लगता कि लोगों ने ज्यादा देखा है। अभिनेता ने बताया कि फिल्म की कहानी को वैसा ही रखा गया है, लेकिन बहुत सारे किरदार और पटकथा का थोड़ा सा हिस्सा बदल गया है। भोला को और भी शानदार बनाने के लिए कई सितारों के कैमियो की खबरें भी सामने आती रहती हैं। माना जा रहा है कि अजय इस प्रोजेक्ट को 3 पार्ट फ्रेंचाइजी की तरह बना रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सलमान खान इस यूनिवर्स का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

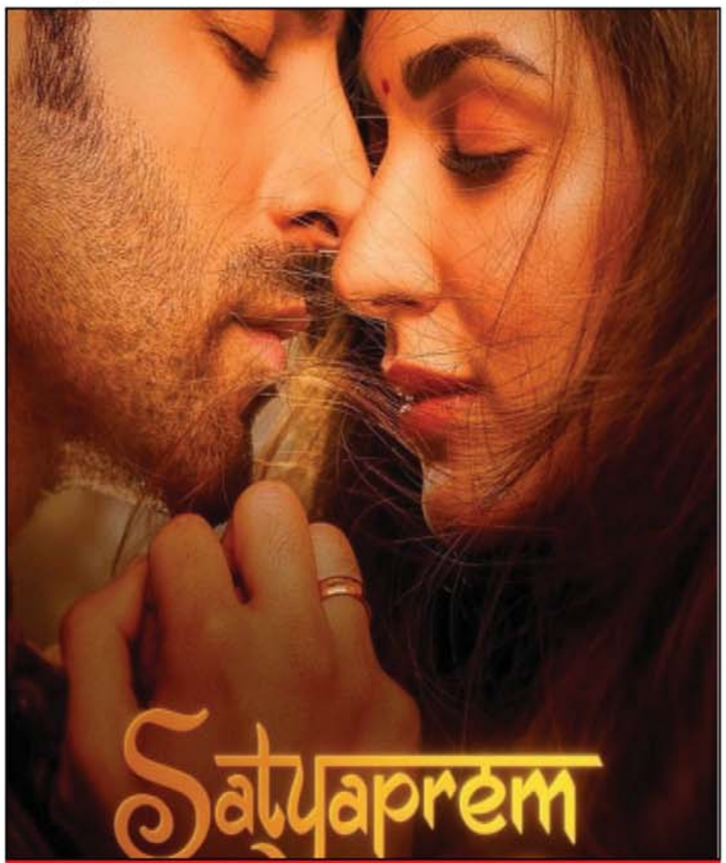

सत्यप्रेम की कथा का टीजर

एक-दूसरे के प्यार में खोए कार्तिक-कियारा

अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा का टीजर जारी किया गया, जिसमें कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी लीड रोल में हैं। टीजर की शुरूआत कश्मीर की खूबसूरत वादियो से होता है। इसके बाद कार्तिक की आवाज कहानी को आगे ले जाती है। कार्तिक बैकड्रॉप से कहानी के किरदारों में छिपे प्यार को समझाने की कोशिश कर रहे हैं।पहले कुछ सीन में कार्तिक और कियारा को एक-दूसरे के प्यार में खोए हुए दिखाया जाता है, वहीं बाद में दोनों के बीच कुछ ऐसे पल आते हैं जब वे बिछड़ जाते हैं।फिल्म का निर्देशन समीर विदवान्स ने किया है, जिन्होंने इससे पहले पश्चिमी चिकित्सा की पहली भारतीय महिला डॉक्टर के जीवन पर आधारित 2019 की बायोग्राफिकल ड्रामा आनंदी गोपाल का निर्देशन किया था।फिल्म 2022 की ब्लॉकबस्टर भूल भुलैया 2 के बाद कार्तिक और कियारा एक बार फिर साथ आ रहे है। इसमें सुप्रिया पाठक कपूर, गजराज राव, सिद्धार्थ रंधेरिया, अनुराधा पटेल, राजपाल यादव, निर्मित सावंत और शिखा तलसानिया भी हैं।साजिद नाडियाडवाला और नम- पिक्चर्स द्वारा निर्मित सत्यप्रेम की कथा 29 जून, 2023 को सिनेमाघरों में आएगी।

पलक तिवारी नहीं बनना चाहती थीं टीवी एक्ट्रेस

एक्ट्रेल पलक तिवारी, जिन्होंने हाल ही में सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की. उन्होंने टेलीविजन में अपना करियर नहीं बनाने के अपने कारणों को साझा किया है. पलक ने कहा, जैसा कि उनकी मां श्वेता तिवारी एक पॉपुलर टेलीविजन एक्ट्रेस हैं, उनके लिए टेलीविजन इंडस्ट्री में एंट्री करना आसान नहीं था, लेकिन तब भी उन्होंने इसके बजाय फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करना चुना. पलक ने कहा, मुझे पता था कि मैं फिल्में करना चाहती हूं मुझे लगता है कि मेरी मां ने इतने सालों तक टीवी किया और उन्होंने सब कुछ बहुत अच्छे से संभाला और किया. मेरे करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है. और वैसे भी हमेशा तुलना ही होगी, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे टीवी में कभी मौका नहीं मिला.पलक तिवारी ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें टीवी से ऑफर मिले थे. उन्होंने कहा, मेरे लिए फिल्मों में एंटर करना तुलनात्मक रूप से थोड़ा कठिन था, लेकिन टीवी में, मेरी मां की एक विरासत है. तो मेरे लिए यह बहुत आसान था, मुझे बहुत सारे प्रस्ताव मिले. लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहती थी. वहीं 1999 में अपने रोल की शुरुआत करने वाली श्वेता तिवारी को लोकप्रिय सोप ओपेरा कसौटी ज़िंदगी की में प्रेरणा के किरदार के लिए अच्छी-खासी पहचान मिली.सलमान खान की फिल्म मिलने के बारे में बात करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा, मैं भाग्यशाली रही, लेकिन मैंने कभी भी सलमान खान की फिल्म पाने की उम्मीद नहीं की थी. फरहाद सामजी द्वारा अभिनीत, किसी का भाई किसी की जान में पूजा हेगड़े, शहनाज़ गिल, विनाली भटनागर, राघव जुयाल और भूमिका

चावला ने भी रोल प्ले किया है. पलक इससे पहले फिल्म के प्रमोशन के दौरान अपने पर्सनल अफेयर को लेकर भी चर्चा में थी।

तेरे इश्क में घायल में नवीना बोले ने लापरवाह महिला की निभाई भूमिका

एक्ट्रेस नवीना बोले का मानना है कि तेरे इश्क में घायल का कॉन्सेप्ट अलग और पर्दे पर लाना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में भी बात की और कहा कि यह एक व्यक्ति के रूप में उससे बिल्कुल अलग है।उन्होंने कहा, यह प्यार कुछ ऐसा है जो शायद आपको चोट पहुंचाएगा। ऐसा कुछ करने का प्रयास करना निमार्ताओं के लिए सराहनीय है। शूट करना और अमल करना एक मुश्किल काम है। जिस तरह से वे शॉट लेते हैं वह भारतीय टीवी के काम करने के तरीके से अलग है।शो में नवीना एक बेपरवाह महिला का किरदार निभा रही हैं जो एक जगह नहीं रहती है। वह जिप्सी की तरह है जो नई जगहों पर जाती रहती है। अब वह बहुत लंबे समय के बाद अपने बच्चों के पास घर लौटी है और उन्हें नहीं पता कि वे उस पर कैसी प्रतिक्रिया दें। उनका बेटा उसे नौकरी दिलाने की कोशिश कर रहा है और वह मूल रूप से एक स्वतंत्र है। मेरा किरदार वैम्पायर डायरीज में केली डोनवन की कहानी से प्रेरित था। इसलिए मैंने शो के लिए तैयारी करते समय यूट्यूब पर उनके कुछ सीन देखे।उन्होंने कहा, वह अपने किरदार से ज्यादा रिलेट नहीं करती हैं और इससे रोल निभाने प्ले में बहुत मजा आता है। वास्तविक जीवन में, मैं बहुत ज़िम्मेदार और परिवार से बंधा हुई हूं और मुझे अपने परिवार और उन लोगों की परवाह है जिन्हें मैं प्यार करती हूं। मैं उतना बेफिक्र और बिंदास नहीं हूं, इसलिए मैं जो हूं उससे बहुत अलग किरदार निभा रही हूं, जो मजेदार है।नवीना को मिले जब हम तुम में दीया, जीनी और जूजू में प्रिया और इश्कबाज में टिया का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है।यह पूछे जाने पर कि कौन सी भूमिका उनके दिल के सबसे करीब है, उन्होंने जवाब दिया- ऐसी और भी भूमिकाएं हैं जिन्हें पसंद किया गया, लेकिन मुझे लगता है कि जीनी और जू में प्रिया खास थी। मैं अपने किरदार से संबंधित थी। वह अपने जीवन के प्यार को लेकर रक्षात्मक थी।

बदल रही इंडस्ट्री, महिलाओं को हीरो के रुप में दिखाया जा रहा : अलाया एफ

एक्ट्रेस अलाया एफ वर्तमान में सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म यू-टर्न' में पिंटिंग इंटर्न राधिका की मुख्य भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। उनके रोल को एक खास फ्लाईओवर पर यू-टर्न पर होने वाली दुर्घटनाओं की जांच करने का काम दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट में मुख्य भूमिका निभाने का बहुत दबाव होता है क्योंकि निमार्ताओं को अभिनेता से बहुत उम्मीद होती है, उनपर एक अतिरिक्त दबाव होता है।अलाया ने कहा कि वह एक

ऐसे सिनेमा का हिस्सा बनकर खुश हैं, जहां महिला किरदारों के इर्द-गिर्द ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट बन रहे हैं।उन्होंने कहा- बहुत दबाव है, मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन कभी-कभी आपको इसमें कूदना पड़ता है। मैं इस बारे में चिंतित थी, लेकिन फिर आप खुद को याद दिलाते हैं कि आप एकता मैम जैसी हस्ती के साथ काम कर रहे हैं जो इस उद्योग में मजबूत और शक्तिशाली बॉस महिला हैं। लैंगिक पक्षपात या भूमिकाओं ने उनके व्यक्तित्व को कभी प्रभावित नहीं किया। यह उन पर लागू नहीं होता।निर्माता एकता कपूर के बारे में अधिक बताते हुए, अलाया ने कहा- वह इतने लंबे समय से एक बॉस महिला रही है। वह डर, अहंकार जैसी चीजों को कभी भी अपने ऊपर हावी नहीं होने देती है।अलाया ने 2020 में कॉमेडी फिल्म जवानी जानेमन' से एक्टिंग की शुरूआत की, और बाद में वह फ्रेडी', लगभग प्यार विद डीजे मोहब्बत' में दिखाई दीं, और बड़े मियां छोटे मियां', श्री' और एक और गजब कहानी' के प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं।

विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश के द्वारा ग्वालियर महानगर की कार्यकारिणी का किया विस्तार

उप संपादक महेंद्र शर्मा पुष्पांजलि टुडे

विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश एवं सम्भागीय पदाधिकारियों की सहमति से जिलाध्यक्ष ग्वालियर महानगर वीरसिंह विश्वकर्मा जी की अनुशंसा पर ग्वालियर महानगर की कार्यकारिणी की घोषणा की गई.. जिसमें किशन लाल विश्वकर्मा जी को उपाध्यक्ष ग्वा.महानगर ,टिंकू विश्वकर्मा जी को महासचिव ग्वा महानगर,राजेंद्र विश्वकर्मा जी को कोषाध्यक्ष ग्वा.महानगर रामनारायण (राजू) विश्वकर्मा जी को सचिव ग्वा.महानगर महेंद्र विश्वकर्मा जी को सह सचिव ग्वा. महानगर वीरेंद्र विश्वकर्मा जी को प्रचार मंत्री ग्वा.महानगर..जिला कार्यकारिणी सदस्य ग्वा. महानगर क्रमशः राजू विश्वकर्मा जी ,रवि विश्वकर्मा जी ,अनिल विश्वकर्मा जी ,प्रमोद विश्वकर्मा जी ,विक्रम विश्वकर्मा जी ,विजय विश्वकर्मा जी

प्रैप अप इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के लिए किया जागरूक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में आमलोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस जागरूकता अभियान के तहत अति0 पुलिस अधीक्षक शहर(पूर्व/अपराध) श्री राजेश डण्डोतिया द्वारा ग्वालियर जिले के विभिन्न स्कूल/कॉलेज एवं संस्थानों में सायबर जागरूकता सेमीनार आयोजित किये जाकर छात्र-छात्राओं एवं उनके परिजनों के अलावा डॉक्टर, बैंक कर्मचारियों, व्यापारी वर्ग, आमजन तथा सेना के जवानों को साइबर अपराधों से बचाव के लिये जागरूक किया गया है। इसी क्रम में आज दिनांक 22.05.2023 को सायबर जागरूकता अभियान के तहत आयोजित 126वा सेमीनार फूलबाग स्थित प्रैप अप इंस्टीट्यूट में आयोजित किया गया। अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश दण्डोतिया द्वारा प्रैप अप इंस्टीट्यूट में अध्ययनरत स्टूडेंट व स्टाफ को वर्तमान समय में होने वाले साइबर अपराधों के

संबंध में जानकारी देकर साइबर धोखाध?ी से किस प्रकार स्वयं का बचाव किया जा सकता है, इसके संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही स्टूडेंट को आगे ब?ने के लिए मोटिवेट किया गया। इस अवसर पर जागरूकता सेमीनार के दौरान 100 स्टूडेंट एवं स्टाफगण उपस्थित रहे। आज अति0 पुलिस अधीक्षक शहर(पूर्व/अपराध) द्वारा प्रैप अप इंस्टीट्यूट, फूलबाग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्टूडेंट एवं स्टाफ को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी दी और वर्तमान समय में पुलिस के समक्ष आने वाली सायबर क्राईम संबंधी विभिन्न प्रकार की शिकायतों को भी साझा किया। उनके द्वारा उपस्थित स्टूडेंट को ऑनलाईन फ्रॉड से बचाव के तरीकों से भी अवगत कराया गया और बताया गया कि मोबाइल पर आने वाले किसी भी अंजान वीडियो कॉल या मैसेज लिंक को खोलकर न देखे और न ही अपनी व्यक्तिगत या बैंक संबंधी जानकारी किसी को दें। उन्होने बताया कि आजकल साइबर फ्रॉड करने वाले लोग बिजली बिल के भुगतान संबंधी मैसेज भेजकर, क्रेडिट कार्ड/केवाईसी अपडेट करने तथा इनामी जीतने व ओएलएक्स पर सामान बैचने के नाम पर ऑनलाइन धोखाध?ी कर रहे हैं। यदि आपके साथ कोई फ्रॉड हो जाता है तो तत्काल इसकी शिकायत पुलिस की साइबर क्राइम सेल में करनी चाहिए।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

ग्वालियर। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय वकास संस्थान एवं जन शिक्षण संस्थान ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 22 मई से अचलेश्वर के समीप ÷वुमन केयर हर्बल इंस्टीट्यूट÷ में प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल द्वारा जन शिक्षण संस्थान के द्वारा शहर के युवा वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने व व्यवसाय से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए चेम्बर के द्वारा उद्यमिता विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को सहभागियों के बीच रखा । प्रवीण अग्रवाल द्वारा उद्यम के क्षेत्र में आगे आने वाले संकल्पित प्रशिक्षणार्थियों को चेम्बर की ओर से हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। साथ ही चेम्बर द्वारा आयोजित गतिविधियों में जन शिक्षण संस्थान के सदस्यों को शामिल होने हेतु आमंत्रित किया। कार्यक्रम में उपस्थित जन शिक्षण संस्थान की निदेशक गायत्री चौहान द्वारा जन शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों व संस्थान के उद्देश्यों को सहभागियों के समकक्ष प्रस्तुत कर अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रमों में जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित कुशल प्रशिक्षक सुश्री मानसी उदवानी व संस्थान के प्रबंध मण्डल के सदस्य ललिता बंसल द्वारा सहभागियों को उद्यम से जुड़ने व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण के रूप में उपस्थित उमाचरण राजपूत द्वारा विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों व सफल उद्यमी के मूल मंत्र से सहभागियों को अवगत कराया तथा खेल के माध्यम से कौशल विकास का जीवन में महत्व विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस कुल 35 सहभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक चेम्बर भवन में आयोजित

ग्वालियर । विवाह स्थल का पंजीयन एवं उपभोग-2020 अधिनियम को लेकर मैरिज गार्डन संचालकों में व्याप्त भ्रांतियों को लेकर आज 'चेम्बर भवनक्क में मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल, मैरिज गार्डन एसोसिएशन के अध्यक्ष-आर.पी. माहेश्वरी, सचिव-रामकुमार सिंह सिकरवार,

कोषाध्यक्ष-सुरेश खण्डेवाल, नगर निगम अधिकारी-अतिबल सिंह यादव, सुनील सिंह चौहान, लोकेन्द्र सिंह चौहान, संजय शिंदे तथा बड़ी संख्या में मैरिज गार्डन संचालक उपस्थित रहे।बैठक में नगर निगम के अधिकारियों द्वारा विवाह स्थल का पंजीयन एवं उपभोग-2020 अधिनियम के संबंध में मैरिज गार्डन संचालकों में व्याप्त भ्रांतियां को दूर किया एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। बैठक के अंत में निर्णय लिया गया कि म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के नेतृत्व में मैरिज गार्डन एसोसिएशन के पदाधिकारी शीघ्र ही एक बैठक करेंगे और उसके उपरांत इस संबंध में आगामी कार्यवाही की जायेगी। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा तथा आभार मैरिज गार्डन एसोसिएशन के अध्यक्ष-आर.पी. माहेश्वरी द्वारा व्यक्त किया गया।

समर मेला 29 मई सः खानपान की लगेंगीं दुकानें, बच्चे उठा सकेंगे झूलों का आनंद

ग्वालियर। शहरवासियों के लिये एक अच्छी खबर है। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा 29 मई से 30 जून तक समर मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में शहरवासियों के लिये खान-पान के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जायेगा। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समर मेले के आयोजन के संबंध में एक बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा समर मेले का आयोजन व्यवस्थित रूप से किया जाए। मेले में साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधन हों। दुकानदारों से साफ-सफाई और पुलिस वेलफेयर के लिये भी राशि ली जाए। उन्होंने कहा कि अग्नि दुर्घटना की संभावनाओं को देखते हुए सभी दुकानों पर अग्नि दुर्घटना से बचाव के लिये आवश्यक उपकरण उपलब्ध रहें, यह भी सुनिश्चित किया जाए।संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने कहा है कि झूला सेक्टर में लगने वाले झूलों के लिये सुरक्षा की सभी जाँचें अनिवार्यत॰ कराई जाएं। मेला स्थल पर नगर निगम के माध्यम से फायर ब्रिगेड की उपलब्धता हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। मेले में स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग किसी भी स्थिति में न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। हर दुकानदार की दुकान के बाहर डस्टबिन रखवाना सुनिश्चित किया जाए। एडीजीपी डी श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि समर मेले के दौरान आने वाले सैलानियों के लिये बेहतर पार्किंग व्यवस्था हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। मेले में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान भी सुरक्षा और पार्किंग के प्रबंधन अच्छे से किए जाएँ।कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने बैठक में कहा कि मेला प्राधिकरण मुख्य मेला, समर मेला आयोजन के साथ-साथ वर्ष भर गतिविधियाँ आयोजित करे। इसके लिये वार्षिक कैलेण्डर तैयार करे ताकि ग्वालियर व्यापार मेले में वर्ष भर गतिविधियाँ आयोजित हो सकें। मेला प्राधिकरण मेला परिसर में रंगाई-पुताई के साथ-साथ साफ-सफाई पर भी नियमित ध्यान दें। उन्होंने कहा कि समर मेले के दौरान भी स्थानीय कलाकारों के माध्यम से बेहतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। मेले के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी मेला प्राधिकरण विशेष ध्यान दे। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने कहा कि समर मेले के दौरान और उसके बाद भी नगर निगम के माध्यम से साफ-सफाई के विशेष प्रयास किए जायेंगे। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में ग्वालियर को बेहतर रैंकिंग मिले, इसके लिये स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से समर मेले में भी निगम के माध्यम से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगीं। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के सभाकक्ष में समर मेले के लिये आयोजित बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल, नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, एडीएम एच बी शर्मा, एसडीएम अशोक चौहान, अपर आयुक्त नगर निगम विजय राज, मेला सचिव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

महिला उद्यमिता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर महिला उद्यमियों की बैठक आयोजित

ग्वालियर। मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के स्थापना दिवस समारोह के तहत दिनांक 26 मई को आयोजित होने वाले महिला उद्यमिता सम्मेलन की तैयारियों को लेकर दिनांक 20 मई,2023 को सायं 05.00 बजे महिला उद्यमियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल, कार्यकारिणी समिति सदस्य-अलका श्रीवास्तव, साधना जैन, अंजलि गुप्ता सहित महिला उद्यमी-हनी शर्मा, रचना शर्मा, नीलम शाह, पूनम अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, मंजू डालमिया, रेखा गुप्ता, नीलम गर्ग, लेखिता सिंघल, रीता गर्ग, अलका बंसल, ज्योति बंसल, मीरा श्रीवास्तव, नीलम समाधिया, विनीता पादौदी, आशा अग्रवाल, साधना शांडिल्य, मीतू अग्रवाल, नीलम गुप्ता, जिया तुलसानी, एकता जैन, शिखा कठ्ठल, पायल जैन, मोनिका जैन, वंशिका राजवा?, शीतल गर्ग, नूपुर गोयल, रोमा जैन, ज्योति अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, आशमा मोहन आदि उपस्थित रहीं।बैठक की अध्यक्षता कर रहे डॉ. प्रवीण

अग्रवाल ने उपस्थित महिला उद्यमियों का हार्दिक अभिनंदन करते दिनांक 26 मई को आयोजित होने वाले उद्यमिता सम्मेलन के विषय में बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उन महिलाओं को फोकस करके किया जा रहा है जो कि पाक कला, क्राफ्ट कला आदि किसी भी कला में पारंगत हैं तो उनके हुनर को लोग जाने और वह अपने घर से ही उद्यम चलाते हुए अपने घर में आर्थिक सहयोग कर सकें। चेम्बर ऑफ कॉमर्स उनके द्वारा बनाये जाने उत्पादों के लिए ब्राडिंग करेगा। साथ ही, इस आयोजन के बाद दो दिवसीय प्रदर्शनी उनके उत्पादों की भी चेम्बर भवन में लगाई जाएगी।बैठक का संचालन कर रहे मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि एमपीसीसीआई महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रहा है, हमारी टीम का प्रयास है कि हम महिलाओं की कला को पहचान दिलायें। इस दिशा में निरंतर चेम्बर कार्य करता रहेगा।बैठक को कार्यकारिणी समिति सदस्या-श्रीमती अलका श्रीवास्तव, श्रीमती साधना जैन, श्रीमति अंजलि गुप्ता ने भी सम्बोधित किया। साथ ही, उपस्थित सभी महिला उद्यमियों ने महिला उद्यमिता सम्मेलन को सफल बनाने में अपनी भूमिका का पूर्ण निर्वाहन करने का संकल्प बैठक में लिया।अंत में आभार उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया।

डॉ0 शिराली यूथ आइकन अवॉर्ड से अलंकृत

अखिल भारतीय सर्व वैश्य महासम्मेलन में शहर की होनहार बिटिया, 40-गोल्ड मेडलिस्ट डॉ0 शिराली अरविन्द रूनवाल को सम्मानित किया गया। जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर के अटल बिहारी मल्टी-आर्ट कॉम्प्लेक्स में आयोजित उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय नागरिक व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवम् विशिष्ट अतिथि मिस इंडिया 2023 सुश्री नंदिनी गुप्ता थीं, जिन्होंने डॉ0 शिराली को उनकी अंतर्राष्टीय उपलब्धियों के मद्देनज़र इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाज़ा। प्रोग्राम की अध्यक्षता खाद्य एवं बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल ने की। संचालन एमपीईबी के नितिन मांगलिक का रहा।

ग्वालियर गीत समारोह 2023 के गीत कलश पंचम पुष्प का आयोजन 28 को

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर । सिटी सेंटर ग्वालियर स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में दिनांक 28 मई 2023 को सायंकाल 6ः00 बजे से ÷ग्वालियर की समारोह 2023÷ के ÷ गीत कलश पंचम पुष्प ÷ का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के ख्यातिप्राप्त गीतकारों के गीतों की प्रस्तुति होगी । कार्यक्रम संयोजक नवगीतकार बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि, इस आयोजन में गीतकार डॉ .सुरेश लखनऊ, विनोद श्रीवास्तव कानपुर, डॉ . हरि प्रकाश ÷हरि÷ शिवपुरी ,राजेश शर्मा ग्वालियर , प्रदीप ÷पुष्पेंद्र ÷ ग्वालियर एवं डॉ. संकल्प श्रीवास्तव ग्वालियर आदि ख्यातिनाम गीतकार अपनी श्रेष्ठ रचनाओं का पाठ करेंगे। कार्यक्रम में ग्वालियर के आमंत्रित सुधी साहित्यकारों, साहित्यानुरागी श्रोताओं एवं गणमान्य जनों के बीच काव्य पाठ होगा। श्रोताओं को समय पर उपस्थिति हेतु अनुरोध किया गया है।

आधुनिक काल के श्रवण कुमार हैं मुख्यमंत्री शिवराज, जुग-जुग जिए

देश में पहली बार विमान से तीर्थ यात्रा करने वाले मध्य प्रदेश के बुजुर्ग तीर्थ-यात्रियों ने तीर्थराज प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) की यात्रा से लौटने के बाद अपने दिल की बात साझा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आम गरीब बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीरथ करा कर बता दिया है कि वे ÷आधुनिक काल के श्रवण कुमार÷ है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा सभी के लिए अद्वितीय, अविस्मरणीय और आनंदमयी रही है। बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री चौहान को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वह जुग-जुग जिए पर हमेशा गादीपति (मुख्यमंत्री) रहे। प्रयागराज में पवित्र गंगा, यमुना एवं सरस्वती के संगम में पवित्र स्नान और देव दर्शन कर राजा भोज विमानतल भोपाल लौटे सभी 32 तीर्थ-यात्रियों के ललाट की आभा उनके आत्मिक संतोष को दिखा रही थी। तीर्थ-यात्रियों के परिजन भी प्रसन्न नजर आए।तीर्थ यात्रा से लौटे जाट खेड़ी के प्रेम नारायण पटेल ने भावुक होकर कहा कि सब कुछ कल्पना से परे रहा। हवाई जहाज को आसमान में उड़ते हुए देखा करते थे। कभी सोचा नहीं था कि उसमें बैठने को मिलेगा, लेकिन मुख्यमंत्री चौहान ने इसे हमारे लिए संभव कर दिखाया। हमें सबसे बड़े तीरथ प्रयागराज की यात्रा हवाई जहाज से करवा दी। मैंने 75 साल की उम्र में पहला ऐसा मुख्यमंत्री देखा, जिसने गरीबों की ऐसी सेवा की। हमारा आशीर्वाद है कि वह आजन्म मुख्यमंत्री बने रहे। कैलाश नगर की श्रीमती

सिया कुमारी शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री को खूब-खूब आशीर्वाद। उनके कारण त्रिवेणी संगम में स्नान का सपना पूरा हो सका। हमने जीवन में पहली बार हवाई जहाज की यात्रा की। होटल में वीआईपी ट्रीटमेंट मिला। कम समय में बगैर कष्ट के इतनी बढ़िया तीर्थ-यात्रा कराने के लिए मुख्यमंत्री चौहान का आभार।जीवन के यह पल बहुत ही अनमोल हैं। हमारी स्मृतियों में यह चिर-स्थाई हो गए हैं। फंदा के मिट्ठू लाल मेवाड़ा ने कहा कि हमने तो कभी सोचा भी नहीं था कि हमारे भाग्य में तीर्थ-यात्रा का सौभाग्य भी है। मुख्यमंत्री चौहान को बहुत-बहुत धन्यवाद।तीर्थ-यात्रा कर आनंदित और आत्म-विभोर दिखाई दे रही गोंदरमऊ की श्रीमती राजल बाई ने मुख्यमंत्री चौहान को बुजुर्गों का मददगार बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद के साथ आभार व्यक्त करते हुए हमेशा गादीपति (मुख्यमंत्री) बने रहने का आशीर्वाद भी दिया।जहांगीराबाद के बुजुर्ग तीर्थ-यात्री संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री चौहान का हवाई यात्रा से तीर्थ-दर्शन कराने का कार्य बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने जमीन के लोगों को हवाई सैर करवा कर दर्शन कराये हैं। मुख्यमंत्री के इस प्रयास की सराहना प्रयागराज में भी लोगों ने करते हुए कहा कि ÷आपके मामा (मुख्यमंत्री) बहुत ही अच्छे÷ हैं। गुप्ता ने बताया कि उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना के साथ संगम-स्थल पर मुख्यमंत्री और उनके परिवार के लिए भी शुभकामनाओं की एक-एक डुबकी लगाई।बरखेड़ा पठानी की शकुंतला बाई ने प्रसन्नता से कहा कि शिवराज जुग-जुग जिए, यशस्वी बनें और हमेशा राज करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की खूब सेवा की है। सबका ध्यान रख कर जीवन को आसान बनाने के लिए योजनाएँ बनाई हैं।चांदबड़ के राम प्रसाद चांदौरिया ने बताया कि किसी भी सरकार ने ऐसी यात्रा नहीं कराई। मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन यात्रा हमेशा ऐसी ही चालू रहे। हमारे जो बंधु-बांधव और धार्मिक लोग है वह भी अपने धर्म के अनुसार यात्रा कर सकें।रोंझिया के टीकाराम सेन ने आज के श्रवण कुमार और मुख्यमंत्री चौहान का आभार माना कि हमे त्रिवेणी संगम में स्नान के साथ ही हनुमानग?ी में दर्शन का भी सौभाग्य मिला।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478